केन्द्रीय विद्यालय संगठन

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय कंदुकुर टाउन

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA KANDUKUR TOWN

कृति

Vidyalaya e-Patrika

विद्यालय ई-पत्रिका

(AY 2025-26)

OUR PATRONS

संतोष कुमार एन
उपायुक्त
के.वि.सं (है.सं) हैदराबाद
SANTHOSH KUMAR N
DEPUTY COMMISSIONER
KVS RO HYDERABAD

श्री रेजी वी आर नाथ
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र
Shri REJI V R NATH
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

श्रीमती जी कृष्णावेनी
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र
Smt G KRISHNAVENI
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

श्रीमती पी अनुराधा
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र
Smt P ANURADHA
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

श्री ए. ए. इज़राइल
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र
Shri A.A.ISRAEL
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

Sri.Damera Hima Vamshee,I.A.S.,
Sub collector,
Kandukur,
Prakasam dist,
Andhra pradesh.

Sub Collector's Office,
Kandukur, Dt.22.12.2025
Cell: 9281034413
Email: subcollectorkandukur
@gmail.com

MESSAGE

As the Chairman of VMC, PM SHRI Kendriya Vidyalaya, Kandukur Town, I extend my warm greetings and heartfelt congratulations to Shri Arjun Singh, Principal, along with the dedicated teachers and talented students on the release of the Vidyalaya e-Patrika for the academic year 2025–26.

It is truly inspiring to witness the Vidyalaya e-Patrika emerge as a dynamic platform where young minds articulate their ideas, creativity, and aspirations. Such initiatives go beyond academics—they kindle imagination, encourage critical thinking, and nurture confidence among students. This edition stands as a reflection of the vibrant intellectual and creative spirit of the Vidyalaya.

The students of today are not merely learners, but future leaders and nation-builders. It is our shared responsibility to equip them with not only knowledge, but also strong values, empathy, and a sense of purpose. Platforms like this play a crucial role in shaping well-rounded individuals who will contribute meaningfully to society and the nation.

I commend the principal, teachers, and students for their collective effort in bringing out this publication. I am confident that PM SHRI Kendriya Vidyalaya, Kandukur Town will continue to scale greater heights and set new benchmarks in holistic education.

My best wishes to all for continued success and excellence.

Mr. Damera Hima Vamshee, IAS.,
Sub Collector, Kandukur Town &
Chairman of VMC KV Kandukur

प्राचार्य का संदेश

"पीएम श्री केवी कंदुकुर टाउन के सभी छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को 'विद्यालय ई-पत्रिका' के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

यह 'ई-पत्रिका' हमारे विद्यार्थियों की रचनात्मकता, लेखन-कौशल और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन है। 'विद्यालय ई-पत्रिका' न केवल विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त मंच प्रदान करती है, बल्कि उनके समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती है।

मैं अपने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन एवं समर्पण की सराहना करता हूँ। साथ ही, मैं अपने सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस पत्रिका के सफल प्रकाशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मैं माननीय विद्यालय प्रबंधन समिति के मनोनीत अध्यक्ष महोदय, श्री दमेरा हिमा वमशी, आईएएस, उप कलेक्टर, कंदुकुर टाउन तथा माननीय उपायुक्त महोदय श्री संतोष कुमार एन, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, हैदराबाद संभाग के प्रति भी आभार प्रकट करता हूँ, जिनका मार्गदर्शन एवं सहयोग हमें निरंतर प्रेरित करता है।

एक बार पुनः आप सभी को हार्दिक बधाई। मैं पीएम श्री केवी कंदुकुर टाउन के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।"

हिन्दी

मेरा सपना - डॉक्टर बनना

हर व्यक्ति के जीवन में एक सपना होता है, जो उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। मेरा सपना है कि मैं एक डॉक्टर बनूँ। डॉक्टर बनना केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा करने का महान अवसर है। मैं लोगों के जीवन को बचाना और उनके दुख को कम करना चाहता हूँ। मैंने अपने आसपास कई लोगों को बीमारी के कारण परेशान होते देखा है। कई बार सही इलाज और समय पर सहायता न मिलने से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन अनुभवों ने मुझे डॉक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। मैं चाहता हूँ कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को भी अच्छी चिकित्सा सुविधा मिले।डॉक्टर बनने के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और धैर्य की आवश्यकता होती है। मैं विज्ञान विषयों में विशेष रुचि रखता हूँ और नियमित रूप से पढ़ाई करता हूँ। मैं अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर समय का सही उपयोग करने का प्रयास करता हूँ। मुझे विश्वास है कि निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास से मेरा सपना अवश्य पूरा होगा।

अंत में मैं यही कहना चाहता हूँ कि डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना मेरा जीवन लक्ष्य है। यदि इरादा मजबूत हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

नाम : प्रजय

कक्षा – आठवीं

पर्यावरण संरक्षण: हमारी जिम्मेदारी

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। हवा, पानी, मिट्टी, पेड़ -पौधे और जीव-जंतु—ये सभी मिलकर हमारे पर्यावरण का निर्माण करते हैं। यदि पर्यावरण सुरक्षित नहीं रहेगा, तो मानव जीवन का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। आज के समय में बढ़ता प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन चुका है। औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण वायु और जल प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआँ, कारखानों का कचरा और प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग प्रकृति को नुकसान पहुँचा रहा है। इसके कारण कई बीमारियाँ फैल रही हैं और मौसम में असामान्य परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे। अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, क्योंकि पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं और प्रदूषण कम करते हैं। प्लास्टिक के उपयोग से बचना चाहिए और उसके स्थान पर कपड़े या कागज के थैलों का प्रयोग करना चाहिए। पानी और बिजली की बचत भी पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वे पर्यावरण के प्रति जागरूक रहें। यदि हम आज प्रकृति की रक्षा करेंगे, तो भविष्य में आने वाली पीढ़ियाँ एक स्वस्थ और सुरक्षित जीवन जी सकेंगी। इसलिए, पर्यावरण संरक्षण को केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अपना कर्तव्य मानना चाहिए।

शिवम कुमार

कक्षा -आठवीं

भारत की विविधता

भारत को "विविधता में एकता" के प्रतीक के रूप में जाना जाता है, जहाँ 1.4 अरब से अधिक की आबादी विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों, भाषाओं (1600+ बोलियाँ), खान-पान और परिधानों के साथ एक साथ रहती है। यहाँ भौगोलिक रूप से ऊँचे हिमालय, थार मरुस्थल, गंगा के मैदान, पश्चिमी घाट और तटीय द्वीप मौजूद हैं। भारत की विविधता एक ऐसा विषय है जो हमें गर्व महसूस कराता है! भारत की विभिन्न संस्कृतियों, भाषाओं, त्योहारों, और व्यंजनों के बारे में बात कर सकते हैं। यहाँ कुछ और विचार हैं:

- संस्कृति: भारत में विभिन्न संस्कृतियाँ हैं, जैसे कि उत्तर की पंजाबी संस्कृति, दक्षिण की तमिल संस्कृति, पूर्व की बंगाली संस्कृति, और पश्चिम की गुजराती संस्कृति।

- भाषाएँ: भारत में 22 आधिकारिक भाषाएँ हैं, जिनमें हिंदी, तमिल, बंगाली, और अंग्रेजी शामिल हैं।

- त्योहार: भारत में विभिन्न त्योहार मनाए जाते हैं, जैसे कि दिवाली, होली, ईद, और क्रिसमस।

- व्यंजन: भारत के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं, जैसे कि पंजाबी पराठे, तमिल सादम, बंगाली मिठाइयाँ, और गुजराती ढोकला।

- नृत्य: भारत में विभिन्न प्रकार के नृत्य हैं, जैसे कि भरतनाट्यम, कथक, और ओडिसी।

- संगीत: भारत में विभिन्न प्रकार के संगीत हैं, जैसे कि शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत, और फिल्मी संगीत।

- पहनावा: भारत में विभिन्न प्रकार के परिधान पहने जाते हैं, जैसे कि साड़ी, लहंगा, और कुर्ता-पजामा।

नाम-डी. स्नेहा लता
कक्षा – आठवीं

पृथ्वी निर्माण

पृथ्वी का निर्माण लगभग 4.5 अरब वर्ष पूर्व सौर नेबुला से हुआ था, जो गैस और धूल का एक बादल था। कण आपस में टकराए और जुड़े, जिससे प्लैनेटिसिमल्स बने। ये प्लैनेटिसिमल्स आपस में जुड़ते गए, जिससे बड़े शरीर बने, और अंततः पृथ्वी का निर्माण हुआ। प्रारंभ में पृथ्वी पिघली हुई थी, और इसकी सतह पर जीवन अनुकूल नहीं था। जैसे-जैसे यह ठंडी हुई, एक ठोस परत बनी, और महासागर बन गए। वायुमंडल विकसित हुआ, और जीवन का उदय हुआ। एक बड़े टकराव के बाद बने मलबे से संभवतः चंद्रमा का निर्माण हुआ। पृथ्वी के निर्माण ने इसके कोर, मेंटल, और क्रस्ट की संरचना को आकार दिया। इस प्रक्रिया में लाखों वर्ष लगे, जिससे हमारे ग्रह की नींव पड़ी। पृथ्वी के प्रारंभिक इतिहास ने जीवन के लिए आधार तैयार किया। सूर्य से पृथ्वी की दूरी ने इसे ठंडा करने और जीवन को बनाए रखने में मदद की। पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र ने इसे सौर हवाओं से बचाया। वायुमंडल समय के साथ बदलता गया, जिससे जीवन के विकास में मदद मिली। पृथ्वी की अनोखी परिस्थितियों ने इसे रहने योग्य बनाया। निर्माण प्रक्रिया ने पृथ्वी की जलवायु और भूविज्ञान को प्रभावित किया। इन घटनाओं ने पृथ्वी के विविध पारिस्थितिकी तंत्र को आकार दिया।

नाम: आश्रिता

कक्षा – छठी

भारत में गरीबी

भारत में गरीबी एक बड़ी समस्या है, जिससे कई लोग प्रभावित हैं। गरीबी के कारण लोगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। गरीब लोगों को पौष्टिक भोजन नहीं मिल पाता, जिससे कुपोषण की समस्या बढ़ रही है। शिक्षा की कमी के कारण गरीब बच्चों को अच्छी नौकरी नहीं मिल पाती। गरीबी के कारण लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पाती, जिससे वे बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। गरीब लोगों को स्वच्छ पानी और स्वच्छता की सुविधाएँ नहीं मिल पाती। गरीबी के कारण लोगों को अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च करने में कठिनाई होती है। गरीब लोगों को रोजगार के अवसर नहीं मिल पाते, जिससे वे गरीबी में रहते हैं। गरीबी के कारण लोगों को अपने परिवार का पालन-पोषण करने मेंकठिनाई होती है। गरीब लोगों को सामाजिक सुरक्षा नहीं मिल पाती, जिससे वे असुरक्षित महसूस करते हैं। गरीबी के कारण लोगों को अपने अधिकारों के बारे में पता नहीं होता। गरीब लोगों को न्याय नहीं मिल पाता, जिससे वे अपने अधिकारों के लिए लड़ नहीं पाते। गरीबी के कारण लोगों को अपने जीवन में आगे बढ़ने में कठिनाई होती है। गरीब लोगों को सम्मान और गरिमा नहीं मिल पाती, जिससे वे अपने आपको हीन महसूस करते हैं। गरीबी के कारण लोगों को अपने सपनों को पूरा करने में कठिनाई होती है। गरीब लोगों को अपने भविष्य के बारे में चिंता होती है। गरीबी के कारण लोगों को अपने जीवन में खुशी नहीं मिल पाती। गरीब लोगों को अपने परिवार के साथ समय नहीं बिता पाते। गरीब लोगों को अपने जीवन में परिवर्तन लाने में कठिनाई होती है। गरीबी के कारण लोगों को अपने जीवन को बेहतर बनाने में कठिनाई होती है।

नाम: जोहिता

कक्षा – छठी

प्रदूषण: एक गंभीर समस्या

प्रदूषण आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। प्रदूषण का अर्थ है हमारे पर्यावरण में हानिकारक पदार्थों का मिल जाना, जिससे वायु, जल, भूमि और ध्वनि दूषित हो जाते हैं। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगीकरण और आधुनिक जीवन-शैली ने प्रदूषण को तेजी से बढ़ाया है।वायु प्रदूषण वाहनों के धुएँ, कारखानों से निकलने वाली गैसों और पेड़ों की कटाई के कारण होता है। इससे अस्थमा, खाँसी और हृदय रोग जैसे कई रोग फैलते हैं। जल प्रदूषण नदियों और तालाबों में कचरा, रसायन और गंदा पानी छोड़ने से होता है, जिससे जलीय जीवों का जीवन खतरे में पड़ जाता है। भूमि प्रदूषण प्लास्टिक, रसायनों और कूड़े-कचरे के कारण होता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता कम हो जाती है। ध्वनि प्रदूषण तेज आवाजों, लाउडस्पीकरों और मशीनों से होता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनता है। प्रदूषण को रोकने के लिए हमें अधिक पेड़ लगाने चाहिए, प्लास्टिक का कम उपयोग करना चाहिए, सार्वजनिक परिवहन अपनाना चाहिए और स्वच्छ ऊर्जा का प्रयोग करना चाहिए। यदि हम आज पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।

नाम: विवेक

कक्षा – छठी

दिल्ली में वायु प्रदूषण

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर नवंबर - दिसंबर में अक्सर बेहद खतरनाक (1000+AQI)स्तर तक पहुँच जाता है। विशेषकर दिवाली के आसपास जो गंभीर प्लस श्रेणी में आता है ।सरकारी डेटा आमतौर पर 500 पर रुक जाता है , लेकिन निजी सेंसर और अंतर्राष्ट्रीय साइट्स 1000+ AQI रिपोर्ट करती हैं, जो फेफड़ों के लिए सिगरेट पीने जैसी हानिकारक हैं।

दिल्ली प्रदूषण 1000 AQI की मुख्य बातें

आंकड़ों का अंतर: केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का स्केल 500 तक होती है जबकि IQAir जैसे अन्य प्लेटफार्म वास्तविक समय में 1000 से ऊपर की रीडिंग दिखाते हैं ।

कारण: पराली जलना , दिवाली के पटाखे, मौसम में नमी और कम हवा की गति (6000 वर्ग मीटर/ सेकंड से कम) प्रदूषण को बढ़ाते हैं।

नाम: साईं महेश्वर

कक्षा- सातवीं

मेरा परिचय

मेरा नाम अमृता है। मैं एक छात्रा हूँ और मानती हूँ कि सीखना एक निरंतर और सुंदर यात्रा है। मैं अपनी पढ़ाई में ईमानदार रहने की कोशिश करती हूँ और हर दिन खुद को बेहतर बनाने का प्रयास करती हूँ। मैं केवल रटने के बजाय चीज़ों को सही तरीके से समझना पसंद करती हूँ।मुझे तेलुगु भाषा आती है और मैं अंग्रेज़ी और तेलुगु दोनों में पढ़ने में सहज हूँ। इससे मुझे अपने विषयों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। मेरे पसंदीदा विषय विज्ञान और भाषाएँ हैं, क्योंकि वे मुझे तार्किक सोच और आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त करना सिखाते हैं। मैं ईमानदारी, सम्मान और दयालुता जैसे अच्छे मूल्यों में विश्वास करती हूँ। मैं जब भी संभव हो दूसरों की मदद करने की कोशिश करती हूँ और कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखती हूँ। मैं जानती हूँ कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती, इसलिए मैं मेहनत करती हूँ और धैर्य रखती हूँ। मेरे जीवन का उद्देश्य एक जिम्मेदार और आत्मविश्वासी व्यक्ति बनना है, जो अपने परिवार को गर्व महसूस कराए और समाज के लिए सकारात्मक योगदान दे। मैं समझती हूँ कि अनुशासन और समर्पण ही सफलता की कुंजी हैं, और मैं अपने दैनिक जीवन में इन्हें अपनाने का प्रयास कर रही हूँ।

नाम- अमृता

कक्षा- नौवीं

अनुशासन का महत्व

अनुशासन किसी व्यक्ति के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण गुण है। इसका अर्थ है नियमों का पालन करना, आत्म-नियंत्रण बनाए रखना और व्यवस्थित ढंग से व्यवहार करना। अनुशासन व्यक्तियों को अपने दैनिक कार्य में केंद्रित, जिम्मेदार और संगठित रहने में मदद करता है। विद्यार्थी जीवन में सफलता प्राप्त करने में अनुशासन की अहम भूमिका होती है। अनुशासित विद्यार्थी नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित होता है, समय पर गृहकार्य पूरा करता है और शिक्षकों एवं सहपाठियों का आदर करता है। इससे विद्यार्थियों को समय का प्रभावी प्रबंधन करने और अच्छी अध्ययन आदतें विकसित करने में मदद मिलती है, जिससे उनकी शैक्षणिक क्षमता में सुधार होता है। चरित्र निर्माण – यह धैर्य, दृढ़ता,ईमानदारी और जिम्मेदारी सिखाता है।

नाम- आराध्या पी. वी. एस एस

कक्षा- छठी

भारतीय इतिहास

भारत का इतिहास बहुत प्राचीन और महान है। यह हमें हमारे देश की संस्कृति, परंपराओं और जीवन शैली के बारे में जानकारी देता है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल तक भारत में ज्ञान और सभ्यता का विकास हुआ। मौर्य और गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस समय विज्ञान, गणित और कला में बहुत प्रगति हुई। सम्राट अशोक और चंद्रगुप्त जैसे शासकों ने देश को एकजुट करने का प्रयास किया। आधुनिक काल में अंग्रेजों ने भारत पर शासन किया, लेकिन भारतीयों ने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। महात्मा गाँधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के प्रयासों से 15 अगस्त 1947 को भारत आज़ाद हुआ। भारतीय इतिहास हमें देश से प्रेम करना सिखाता है।

नाम:- जी. मनस्वी

कक्षा – नौवीं

बादल का पानी

बरस गया बादल का पानी , बिजली चमकी दूर गगन में |

कंपन होते प्राण भवन में , तरल-तरल कर गई हृदय को ,

निष्ठुर मौसम की मनमानी , बरस गया बादल का पानी |

धुली आस कोमल अंतर की , बही संपदा जीवन- भर की ,

फिर भी लेती रही लहरियाँ , हमसे निधियों की कुर्बानी |

बरस गया बादल का पानी | धार-धार में तेज लहर है , लहरों में भी तेज भँवर है ,

सपनों का हो गया विसर्जन , घेरे आशंका अनजानी |

बरस गया बादल का पानी |

नाम- के. जस्विन

कक्षा- सातवीं

व्यायाम का महत्त्व

हृदय रोगों की रोकथाम में इसकी अहम भूमिका है| यह रक्त में वसा की असमान्यताओं , मधुमेह और मोटापे में सहायक होता है | इसके अलावा , यह रक्तचाप को कम करने में भी मदद करता है | नियमित व्यायाम से हृदय रोग से मृत्यु का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है, और स्ट्रोक व कोलोन कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है |

नाम - डी . जैसन धीरज

कक्षा- सातवीं

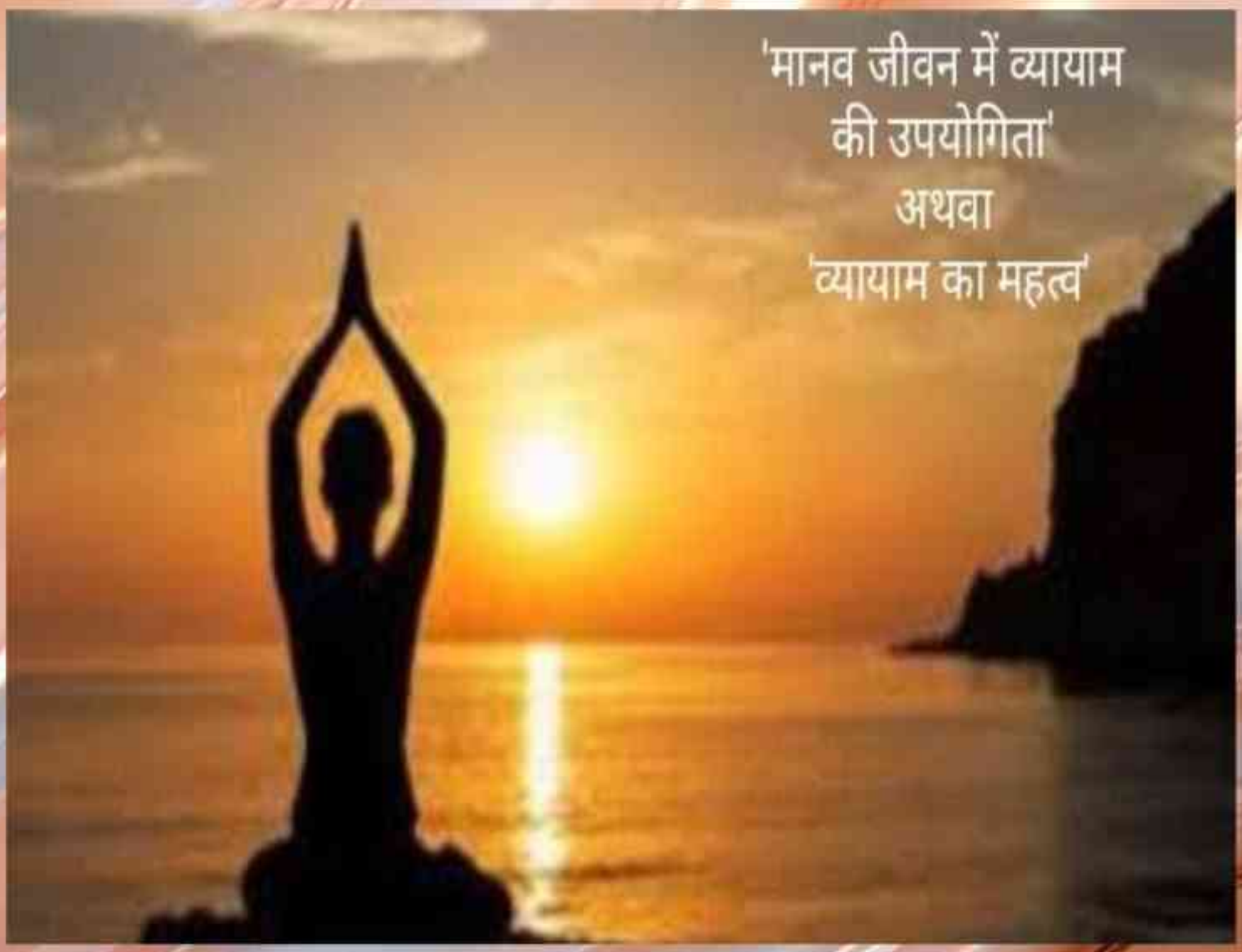

सैनिक

सीमा पर जो डटा रहे , देश की रक्षा करता रहे |

धूप हो, ठंड या बरसात , सैनिक रहता हरदम साथ |

मुसीबत आए जब भी कहीं , सैनिक पहुँचता हरदम वहीं |

उसके कारण हम हैं खुशहाल ,वह है भारत का ढाल |

आओ मिलकर करे प्रणाम , ऐसे वीरों को सौ-सौ सलाम |

उनके बलिदान को याद करें , देश से सच्चा प्यार करें |

नाम- अक्षया

कक्षा – नौवीं

छात्र प्रेरणा

बड़े ख्वाब वो ही पूरा करते हैं,

जो हार के भी मुस्कराते हैं|

असंभव कुछ भी नहीं होता ,

बस हिम्मत और लगन से कदम बढ़ाते हैं|

नाम- टी. सात्विक

कक्षा – सातवीं

पुस्तकालय का महत्व

पुस्तकालय ज्ञान का मंदिर है ,जो हमें विभिन्न प्रकार की पुस्तकें और अन्य पठन सामग्री प्रदान करके ज्ञानार्जन ,शिक्षा और संस्कृति को बढ़ावा देता है |यह एक ऐसा शांत स्थान है जहाँ छात्र से लेकर शोधकर्ता और आम पाठक तक कोई भी बिना खर्च किए अपनी रुचि केअनुसार ज्ञान प्राप्त कर सकता है |

नाम –निस्सी

कक्षा- सातवीं

माँ की हथेली पर

माँ की हथेली पर जैसे सारी दुनिया छिपी रहती है,

थक जाए सारे रास्ते लेकिन माँ की दुआ साथ चलती है।

उसकी आँखों में वो चमक है जो अँधेरों को हराती है,

उसकी आवाज में वो मिठास है जो टूटे दिल को बनाती है।

मैं गिर भी जाऊँ तो माँ पहले ही दर्द समझ जाती है,

मेरे होंठों से पहले-पहल माँ मेरी बात सुन जाती है।

माँ के बिना ये जीवन जैसे सूरज बिना किरणों का हो ,

माँ है तो हर गम छोटा लगता है माँ है तो हर दिन अपना लगता है।

नाम- अखिलेष

कक्षा- नौवीं

प्रकृति की मुस्कान

सुबह की हवा ने कानों में धीरे से कुछ गुनगुनाया ,

पेड़ों की पत्तियों ने झूमकर मुझको राह दिखाया |

सूरज ने हल्की किरणों से आसमान पर रंग बनाया ,

नदी ने अपनी लहरों से जीवन का गीत सुनाया |

पक्षियों ने ऊँचे उड़कर आज़ादी का राज बताया ,

फूलों ने अपनी खुशबू में प्यार का संदेश सजाया |

पहाड़ों की चुप्पी में भी एक गहरा राज छिपा है ,

धरती कहती –"सँभालों मुझे मैं ही तुम्हारा घर बना हूँ |"

प्रकृति हर रोज नए रंगों से हमको जीना सिखाती है ,

बस इंसान समझ जाए तो ये दुनिया फिर खिल जाती है |

नाम- समरीन

कक्षा- नौवीं

जीवन में अनुशासन का महत्त्व

अनुशासन जीवन का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण गुण है| यह हमें सही रास्ते पर चलना और अपने कर्तव्यों को ठीक से निभाना सिखाता है |अनुशासन का अर्थ है, समय का पालन करना , नियमों का पालन करना और आत्म –नियंत्रण रखना | छात्र जीवन में अनुशासन का विशेष महत्त्व है| समय पर उठना,नियमित पढ़ाई करना और गृहकार्य पूरा करना एक अच्छे विद्यार्थी की पहचान है| जो छात्र अनुशासित होते हैं, वे जीवन में अवश्य सफल होते हैं | अनुशासन केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है| यह हमें अच्छा नागरिक बनाता है और समाज में समान दिलाता है |

नाम- तहसीन जोया

कक्षा – नौवीं

प्रकृति

प्रकृति वो चीज़ है, जो हमें बिना पूछे सब कुछ देती है|जैसे- पेड़ हमको हवा फल-फूल ,छाया देती है| नदी हमको पानी देती है|जो चीज़ हम रोज़ उपयोग करते हैं , वह हमको प्रकृति से ही मिलती है | मनुष्य की हर साँस प्रकृति की कृपा से चलती है |वन ,पर्वत ,सागर प्रकृति की विशाल संपदा है |फिर भी आज मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति को हानि पहुँचा रहा है| प्रकृति जीवन की जननी है,इसका संरक्षण ही हमारे भविष्य की रक्षा है|

जल, जंगल धरती की रक्षा,
यही भविष्य की सच्ची शिक्षा ||

नाम- स्वप्ना

कक्षा-आठवीं

ब्लैकबोर्ड हमें जीवन का क्या सिखाता है ?

क्लासरूम में एक ब्लैकबोर्ड चुपचाप खड़ा रहता है |हर रोज़ हम उस पर सफेद चाक से लिखते हैं |गणित के सवाल, अंग्रेजी के शब्द, मजेदार चित्र और हमारे नाम सब कुछ भर जाता है |टीचर बोलते हैं,हम सुनते हैं|फिर आता है रबर | धूल उड़ती हैऔर पुरानी लिखाई मिट जाती है |अपनी गलतियाँ याद हैं? ब्लैकबोर्ड पर गलत जवाब जैसे| पहले दुख होता है| लेकिन मिटा दें| उनसे सीखों |

ब्लैकबोर्ड कभी नहीं कहता ,"मैं यह नहीं कर सकता |" वो हर बार नई चाक लेता है| कभी-कभी पुरानी निशान हल्के दिखते रहते हैं| वे यादें हैं | अच्छी या बुरी, वे आपको बनाती हैं| एक लड़का जो फेल हुआ ,अगली बार"टॉपर लिखता है | यही तरक्की है |ब्लैकबोर्ड सिखाता है –अतीत को प्यार से मिटाओ | अभी हिम्मत से लिखो| आपकी कहानी चलती रहेगी |

नाम- दीपिका

कक्षा- आठवीं

माँ

माँ..

एक छोटा सा शब्द ,पर इसके भीतर पूरा आसमान समाया है|

जब मैं रोया , तूने अपनी नींद कुर्बान की ,जब मैं हँसा ,

तेरे चेहरे पर दुनिया मुस्कान की |

मेरी पहली सीख, मेरा पहला सहारा, गिरूँ जब भी जीवन में,

तेरा आँचल बना किनारा |

तूने खुद के दर्द को कभी जताया नहीं, मेरे हर खुशी के लिए

खुद को थकाया सही |

मेरे किताबों से पहले तूने मुझे पढ़ना सिखाया, जीवन की हर कठिन राह में

सच का अर्थ समझाया |

जब दुनिया ने कहा "तू नहीं कर पाएगा ", माँ तेरी आँखों ने कहा

"मेरे बच्ची जरूर कर पाएगी |"

तेरे हाथों की रोटी में खाद नहीं, ममता होती है, तेरी एक फटकार में भी

मेरा भला ही छिपा होता है|

तू बिना कहे मेरे मन की बात जान लेती है , मेरे चुप्पी में भी ,

माँ मेरी आवाज पहचान लेती है |

अपने सपनों को तूने चुपचाप जलाया ' तभी मेरे सपनों का दीपक सदा जल पाया |

माँ, तू धूप में छाँव है, अँधेरे में उजाला है,भगवान का रूप नहीं देखा ,

पर तुझमें ही उसे पाया है |

अगर कल मैं कुछ भी बनूँ ,तो बस इतना कहना,

उस सफलता के पीछे मेरा नाम लिखना |

क्योंकि इस दुनिया में सब कुछ बदला जा सकता है, पर माँ का प्यार ..

कभी बदला नहीं जा सकता |

नाम- अक्षरा

कक्षा –दसवीं

विदाई (कविता)

आज यह वही दिन है,जब हम सबकी आँखें आँसू से नम पड़ी है,

सबका दिल भारी हो रहा है |

जाने की इच्छा नहीं है हम किसी की ,

पर एक नई ज़िंदगी इंतजार कर रही है हम सबका |

एक दूसरे को छोड़कर जाने की , हिम्मत नहीं है किसी में |

यादें , मधुर पल, ये दोस्त, ये अध्यापक , सब याद आएँगें हम सभी को |

विद्यालय का आखिरी दिन है ये दिल मानने को नहीं है|

नाम- अ[illegible] कौर

कक्षा- दसवीं

भारत की संस्कृति

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीन संस्कृति है |जो लगभग 5,000 हजार वर्ष पुरानी है | विश्व की पहली और महान संस्कृति के रूप में भारतीय संस्कृति को माना जाता है|"विविधता में एकता" का कथन यहाँ पर आम है अर्थात भारत एक विविधतापूर्ण देश है | जहाँ विभिन्न धर्मों के लोगों की संस्कृति और परंपरा के साथ शांतिपूर्ण तरीके से एक साथ रहते हैं| विभिन्न धर्मों के लोगों की अपनी भाषा ,खाने की आदत , रीति-रिवाज़ आदि अलग हैं , फिर भी वो एकता के साथ रहते हैं|पूरे विश्व-भर में भारतीय संस्कृति बहुत प्रसिद्ध है| विश्व के बहुत रोचक और प्राचीन संस्कृति के रूप में इसको देखा जाता है |

नाम- रिद्धि जनश्री

कक्षा-आठवीं

कथक

कथक उत्तर भारत का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है, जिसकी उत्पत्ति उत्तर प्रदेश में हुई थी | कथा कहे सो कथक कहावे के अनुसार,यह नृत्य पैरों की तेज पदचाप, चक्कर अभिनय के माध्यम से अपनी बात रखता है| यह हिन्दू –मुस्लिम संस्कृतियों के मिश्रण से विकसित हुआ है| जो लखनऊ, जयपुर और बनारस जैसे प्रमुख घरानों में अपनी विशिष्ट शैली के लिए प्रसिद्ध है|

नाम- पी . मुरारी

कक्षा – आठवीं

मेरे शिक्षक – एक विदाई के साथ धन्यवाद

आज जब मैं

इस विद्यालय से विदा ले रही हूँ, तो मेरे शब्द नहीं,

मेरी भावनाएँ बोल रही हैं।

कभी डरते हुए इस कक्षा में आई थी ,आज आत्मविश्वास के साथ बाहर जा रही हूँ,

इस बदलाव का नाम है

मेरे शिक्षक।

आपने सिर्फ किताबें नहीं पढ़ाई आपने हमें खुद को पहचानना सिखाया,

गलतियों पर टोका जरूर ,

पर कभी हार मानना नहीं सिखाया।

जब अंकों ने साथ नहीं दिया, आपकी उम्मीद हमारे साथ खड़ी रही,

जब हम खुद पर शक करने लगे,

आपकी आवाज होसला बन गई।

हम शोर करते रहे ,

आपने धैर्य निभाया, हम रास्ता भूलते रहे,

आपने सही दिशा दिखाया ।आज जो सोच पाते हैं ,जो सपने देख पाते हैं ,

जो सच और गलत में फर्क कर पाते हैं-

वह सब आपकी देंन है।

हम आगे बढ़ते जाएँगे, नई दुनिया में खो जाएँगे ,पर हर मोड़ पर आपकी सीख

हमारा मार्गदर्शन बन जाएगी|

विदाई के इस पल में , बस इतना कहना है –अगर आज हम कुछ बनने चले हैं,

तू उसके पीछे ,

हमारे शिक्षकों का ही नाम है|

नमन है उन हाथों को जिन्होंने हमें गढ़ा, नमन है उन गुरुओं को

जिन्होंने हमारे भविष्य को सँवारा|

आज हम इस विद्यालय को छोड़कर जा रहे हैं ,पर जीवन –भर

हम आपके शिष्य रहेंगे |

नाम- अक्षरा

कक्षा- दसवीं

भारतीय ज्ञान प्रणाली

भारतीय ज्ञान प्रणाली ,ज्ञान,विज्ञान ,कला और दर्शन की एक व्यवस्थित परंपरा है जो हजारों साल पुरानी है, और वेदों और उपनिषदों जैसे प्राचीन ग्रंथों में निहित है| यह गुरु –शिष्य परंपरा पर आधारित है ,और इसमें आयुर्वेद,योग,गणित खगोल विज्ञान,कला और व्याकरण जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं| एनईपी – 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति) की तरह इसे शिक्षा प्रणाली में फिर से एकीकृत किया जा रहा है| ताकि छात्रों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ा जा सके और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जा सके |

नाम- टी. नमस्वी

कक्षा – सातवीं

आत्मनिर्भर भारत अभियान

भारत सरकार की एक महत्त्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य देश को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है| यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2020 में कोविड -19 महामारी के प्रभाव से उबरने और भारत 2020 की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए शुरू किया गया था| आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है ऐसी अर्थव्यवस्था बनाना जिसमें भारत अपनी जरूरतों को खुद पूरा कर सके और विदेशी निर्भरता कम हो|

अभियान के मुख्य उद्देश्य –आत्मनिर्भर भारत अभियान के मुख्य पाँच स्तंभ हैं-

अर्थव्यवस्था 'सिस्टम , सशक्त जनसांख्यकी और माँग | इसका उद्देश्य है देश में स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना,नौकरियों का सृजन करना,तकनीकी उन्नति को प्रोत्साहित करना और देश की आर्थिक क्षमता को मजबूत बनाना | यह अभियान विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे- मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया,स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया को भी बढ़ावा देता है|

नाम- पी. हासिनी
कक्षा - सातवीं

विद्यार्थी जीवन के 10 स्वर्ण नियम

1. ज्ञान मेरे जीवन की रोशनी है।
2. मैं अच्छी सलाह सुनता हूँ।
3. मैं गुरु की बात का सम्मान करता हूँ।
4. मैं माता-पिता की सीख मानता हूँ।
5. मैं अच्छे मित्र चुनता हूँ।
6. मैं बुरी आदत से दूर रहता हूँ।
7. मैं प्रतिदिन नियमित अध्ययन करता हूँ।
8. मैं अपने क्रोध पर नियंत्रण रखता हूँ।
9. मैं ईमानदारी से व्यवहार करता हूँ।
10. मैं मेहनत करके अपना लक्ष्य प्राप्त करता हूँ।

✨ "मैं एक अच्छा विद्यार्थी हूँ – मेरा लक्ष्य उज्जवल भविष्य है।" ✨

वल्ला एनोश जय
कक्षा: ५ (अ)

1. समय का महत्व

समय बहुत कीमती है। जो व्यक्ति समय का सही उपयोग करता है, वह जीवन में सफल होता है। हमें अपना काम समय पर पूरा करना चाहिए। समय एक बार चला जाए तो वापस नहीं आता।

2. पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। पेड़-पौधे हमें ऑक्सीजन देते हैं। प्रदूषण से पर्यावरण को नुकसान होता है। हमें पेड़ लगाने चाहिए और पानी की बचत करनी चाहिए

3. मेरा भारत देश

भारत एक महान देश है। यहाँ विभिन्न धर्म, भाषा और संस्कृति के लोग रहते हैं। फिर भी हम सब एक हैं। भारत अपनी विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। हमें अपने देश पर गर्व है।

शेख सुहाना

कक्षा: ५ (अ)

मेरे स्कूल पर कविता

सबसे प्यारा मेरा स्कूल,

जिसको नहीं सकता मैं भूल।

माँ ने मुझे जन्म देकर,

जीवन का पहला पाठ पढ़ाया।

स्कूल जाकर ही मैंने पाया,

इस दुनिया के ज्ञान-भंडार को।

खूब पढ़ो और खूब बढ़ो तुम,

शिक्षा यही देते हमारे शिक्षक।

तभी बढ़ेगा भारत सबसे आगे,

जब देश का हर बच्चा शिक्षित होगा।

तभी तो मिटेगी देश की अशिक्षा,

जब पूरा देश शिक्षित होगा।

सबसे प्यारा मेरा स्कूल,

जिसको नहीं सकता मैं भूल

एस.के. दुफ़रीन

कक्षा: ३ (अ)

मेरा विद्यालय

कंदुकूर टाउन में स्थित हमारा पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एक प्रसिद्ध और आदर्श विद्यालय है।
हमारे विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी सिखाए जाते हैं। यहाँ का वातावरण स्वच्छ, शांत और अनुशासित है।

हमारे विद्यालय में अनुभवी और परिश्रमी शिक्षक हैं। वे हमें प्यार से पढ़ाते हैं और हर विषय को सरल तरीके से समझाते हैं।
विद्यालय में पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला और बड़ा खेल का मैदान है।

हम प्रतिदिन प्रार्थना सभा में भाग लेते हैं। विद्यालय में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इससे हमारे ज्ञान और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

मुझे अपने विद्यालय पर गर्व है। मैं मन लगाकर पढ़ाई करता हूँ और अपने विद्यालय का नाम रोशन करना चाहता हूँ।

चल्ला एनॉश जय

कक्षा: ५ (अ)

दिल्ली का इतिहास: एक अनकही कहानी

दिल्ली, भारत की राजधानी, एक ऐसा शहर है जिसका इतिहास हज़ारों साल पुराना है। आइए जानते हैं दिल्ली के इतिहास के बारे में कुछ दिलचस्प बातें:

दिल्ली का प्राचीन इतिहास

दिल्ली का इतिहास 1000 ईसा पूर्व से शुरू होता है, जब यह शहर महाभारत के समय में "इंद्रप्रस्थ" के नाम से जाना जाता था। कहा जाता है कि पांडवों ने इस शहर की स्थापना की थी।

पूर्वी दिल्ली

12वीं शताब्दी में, दिल्ली पर तोमर वंश का शासन था। 1192 ई. में, पृथ्वीराज चौहान को हराकर मुहम्मद गोरी ने दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया। इसके बाद, दिल्ली दिल्ली सल्तनत की राजधानी बनी और कई शासकों ने इस पर राज किया, जिनमें कुतुब-उद-दीन ऐबक़, इल्तुतमिश, और अलाउद्दीन खिलजी शामिल हैं।

मुगल काल

1526 में, बाबर ने दिल्ली पर कब्ज़ा कर मुग़ल साम्राज्य की स्थापना की। दिल्ली मुग़ल साम्राज्य की राजधानी बनी और शाहजहाँ ने इस शहर को और भी सुंदर बनाया। लाल किला और जामा मस्जिद जैसी ऐतिहासिक इमारतें इसी समय में बनाई गई।

ब्रिटिश काल

1857 के सिपाही विद्रोह के बाद, ब्रिटिश सरकार ने दिल्ली पर कब्ज़ा कर लिया और इसे ब्रिटिश भारत की राजधानी बनाया। 1911 में, राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित किया गया और नई दिल्ली का निर्माण किया गया।

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व

दिल्ली एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र भी है। इस शहर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें, मंदिर, और गुरुद्वारे हैं, जिनमें जामा मस्जिद, लाल क़िला, और अक्षरधाम मंदिर शामिल हैं।

आज का दिल्ली

आज, दिल्ली एक आधुनिक और विकसित शहर है, जो अपने समृद्ध इतिहास, संस्कृति, और परंपराओं के लिए जाना जाता है। यह शहर भारत की राजधानी होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण आर्थिक और राजनीतिक केंद्र भी है।

दिल्ली का इतिहास वाकई दिलचस्प है! आपके पसंदीदा ऐतिहासिक स्थल कौन से हैं?

दीक्षित

कक्षा: ४ (अ)

पोंगल

नमस्ते सभी को।

मेरा नाम निशिता है।

आज मैं पोंगल त्योहार के बारे में बताने जा रही हूँ।

पोंगल दक्षिण भारत का एक बहुत ही प्रसिद्ध त्योहार है। यह खासकर तमिलनाडु राज्य में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यह किसानों का प्रमुख त्योहार है।

यह त्योहार हर साल जनवरी महीने में मनाया जाता है। पोंगल चार दिनों तक मनाया जाता है – भोगी, सूर्य पोंगल, मट्टू पोंगल और काणुम पोंगल।

इस दिन लोग नए बर्तन में चावल, दूध और गुड़ से मीठा पोंगल बनाते हैं। जब दूध उबलता है, तो लोग "पोंगल-ओ-पोंगल" बोलकर खुशियाँ मनाते हैं।

लोग भगवान सूर्य की पूजा करते हैं और अच्छी फसल के लिए धन्यवाद देते हैं।

पोंगल हमें प्रकृति और किसानों का सम्मान करना सिखाता है।

धन्यवाद।

जी. निशिता

कक्षा: ३ (अ)

मेरा विद्यालय : केंद्रीय विद्यालयम

मेरा नाम कुशाली देवी है। मैं केंद्रीय विद्यालय में पढ़ती हूँ। मेरा विद्यालय बहुत सुंदर, साफ और अनुशासित है। यहाँ पढ़ाई के साथ-साथ हमें अच्छे संस्कार भी सिखाए जाते हैं।

मेरे विद्यालय में बड़ी-बड़ी और हवादार कक्षाएँ हैं। एक सुंदर पुस्तकालय है जहाँ बहुत सी ज्ञानवर्धक पुस्तकें हैं। हमारे स्कूल में विज्ञान प्रयोगशाला और कंप्यूटर कक्ष भी है। खेल के लिए बड़ा सा मैदान है जहाँ हम खेलकूद-गतिविधियों में भाग लेते हैं।

हर सुबह हम प्रार्थना सभा में इकट्ठा होते हैं। वहाँ हम प्रार्थना करते हैं, प्रतिज्ञा लेते हैं और देशभक्ति गीत गाते हैं। इससे हमें अनुशासन और एकता का महत्व समझ में आता है।

हमारे शिक्षक बहुत दयालु और मेहनती हैं। वे हमें प्यार से पढ़ाते हैं और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वे हमें सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि अच्छा इंसान बनना भी सिखाते हैं।

मुझे अपने दोस्तों के साथ पढ़ना, खेलना और नई चीजें सीखना बहुत अच्छा लगता है। मेरा विद्यालय मेरे लिए ज्ञान का मंदिर है। मुझे अपने विद्यालय पर बहुत गर्व है।

जी. कुशाली

कक्षा: ४ (अ)

बूढ़ा ब्लैकबोर्ड

कल्पना करो, कि काला बोर्ड इंसान होता तो कैसा लगता? लंबे-दुबले दादा जी, जिनकी आँखें गहरे काले रंग की, चेहरा चॉक की धूल से सजा हुआ। वो कक्ष के कोने में खड़ा, धूल झाड़ता, और धीमी आवाज़ में पुकारता, आओ नातियों, मेरी पीठ पर अपने सपनों की कहानियाँ उकेरो। उसकी सतह इतनी चिकनी, जैसे कोई क़ाग़ज़ की क़िताब, जो हर स्पर्श को सोख लेती।

चॉक आती, छोटी सी सफेद गुड़िया, बोर्ड की लाडली। नर्म हाथों में पकड़ी जाती। जो ये बजती खट-खट करती। कभी 'ऋ' लिखती, कभी गणित का जादू रचती। बोर्ड हँसता, बेटी, और ज़ोर से ! तेरी सफ़ेदी मेरे कालेपन को चमका देती है। बच्चे लिखते-मिटाते। एरेज़र आता, धूल उड़ाता, जैसे कोई भाई पुरानी बातें साफ़ कर नई शुरुआत देता। बोर्ड छींकता, "अरे वाह, ताज़ी हवा आ गई"!

के. रिशिता

कक्षा – 3 (अ)

संस्कृत

पर्यावरणम् आलेखम्

अस्मान् परितः यानि पञ्चमहाभूतानि सन्ति तेषां समवायः एव परिसरः अथवा पर्यावरणम् इति पदेन व्यहीयते । इत्युक्ते मनुष्यो यत्र निवसति, यत् खादति, यत् वस्त्रं धारयति, यज्जलं पिबति यस्य पवनस्य सेवनं करोति तत्सर्वं पर्यावरणम् इति शब्दे अभिधीयते ।

अधुना पर्यावरणस्य समस्या न केवलं भारतस्य अपितु समस्तविश्वस्य समस्या वर्तते । यज्जलं यश्च वायुः अद्य उपलभ्यते तत्सर्वं मलिनं दूषितं च दृश्यते ।

पी .मुरारी
कक्षा- अष्टमी

प्रकृति चित्रणम्

अद्य अहं प्रातः पञ्चवादने जागृत्य उत्तमं भ्रमणार्थं बहिः आगतवती । अहं हिमं दृष्टवती यः श्वेतवर्णः किञ्चित्कालानन्तरं जलं भवति । तत्र शीतल वायुः आसीत् तथा द्विहोरायाः अनन्तरं सूर्यः उत्तमहरितवर्णपत्रेभ्यः उदयं प्रारभत् यत् मम कृते अस्मिन् दिने उत्तमः अनुभवः आसीत् ।

उदिते सूर्ये धरणी विहसति ।
पक्षी कूजति कमलं विकसति ।।

नदति मन्दिरे उच्चैर्ढक्का ।
सरितः सलिले सेलति नौका ।।

पुष्पे पुष्पे नानारङ्गाः ।
तेषु डयन्ते चित्रपतङ्गाः ।।

वृक्षे वृक्षे नूतनपत्रम् ।
विविधैः एव विभाति चित्रम् ।।

आराध्या
कक्षा- षष्ठी

महाकवि कालिदासः

संस्कृत जगतिषु कविषु महाकवि कालिदासः सर्वश्रेष्ठः कविः आसीत् ।
कालिदासः प्रकृतेः उपासकः आसीत् । महाकवेः प्रशंसायां किञ्चित् श्लोकानि –

श्लिष्टा क्रिया कस्यचिदात्मसंस्था
संक्रान्तिरन्यस्य विशेषयुक्ता ।।
यस्योभयं साधु स शिक्षकाणाम्
धुरि प्रतिष्ठापयितव्य एव ।।

पुरा कवीनां गणना प्रसङ्गे
कनिष्ठिकाधिष्ठितकालिदासः ।
अद्यापि तत्तुल्यकवेरभावात्
अनामिका सार्थवती बभूव ।।

एस स्वप्ना
कक्षा- अष्टमी

जलम् एव जीवनम्

जलम् एव जीवनम् इति उक्त्यनुसारम् अस्माकं जीवने जलस्य आवश्यकता वर्तते । जीवनाय जलम् आवश्यकं वर्तते । तृष्णायां सत्यां जलेन एव निवारणं भवति । पृथिव्याः जीवानां कृते आवश्यकं तत्त्वम् अस्ति जलम् । अस्माकं सौभाग्यम् अस्ति यत् पृथिवी जलीयः ग्रहः वर्तते जलं सौरमण्डले दुर्लभं वर्तते । अन्यत्र कुत्रापि जलं नास्ति । पृथिव्यां जलं पर्याप्तम् अस्ति । अतःपृथिवी नीलग्रहः इति उच्यते । जलं निरन्तरं स्वरूपं परिवर्तते । सूर्यस्य तापेन वाष्पस्वरूपं , शीतले सति सङ्घनीकरणे मेघस्वरूपं, वर्षामाध्यमेन जलस्वरूपं धरति । जलं महासागरेषु, वायुमण्डले पृथिव्यां च परिभ्रमति । जलस्य परिभ्रमणं जलचक्रं कथ्यते ।

प्रजय
कक्षा- अष्टमी

संस्कृत पितामह पाणिनि

पाणिनिः संस्कृतभाषायाः महान् वैयाकरणः । तेन लिखितः अष्टाध्यायीनामकः व्याकरणग्रन्थः विश्वप्रसिद्धः वर्तते । पाणिनिः वैयाकरणानां प्रातः स्मरणीयः मुनिः न केवलं वैयाकरणानाम् अपितु निखिलसंस्कृतविपश्चिताम् एषः प्रातर्वन्दनीयः इत्यत्र न कोऽपि संशयः । पाणिनेः तपसा सन्तुष्टः शिवः ताण्डवनृत्यम् अकरोत् , नृत्तान्ते चतुर्दशवारम् ढक्काम् अवादयत् ।

नृत्तावसाने नटराजराजो ननाद ढक्कां नवपञ्चवारम् ।
उद्धर्तुकामान्सनकादिसिद्धानेतद्विमर्शे शिवसूत्रजालम् ।।

तस्याः ढक्कायां ध्वनिं श्रुत्वा पाणिनेः एतानि माहेश्वरसूत्राणि अरचयत-

1- अइउण् 2- ऋलृक् 3-एओङ् 4- ऐऔच्
5-हयवरट् 6- लण् 7- ञमङणनम्
8- झभञ् 9- घढधष् 10- जबगडदश्
11- खफछठथचटतव् 12- कपय् 13- शषसर् 14- हल्

साईं माहेश्वर
कक्षा-सप्तमी

व्यायामस्य महत्तवम्

भ्रमण-धावन- क्रीडनादिभिः शरीरम् श्रान्तकरणम् व्यायामः नित्यं करणीयः भवति । अस्य नित्यानुष्ठानेन गात्राणि पुष्ठानि भवन्ति ।शरीरे द्रुतं रक्तसञ्चारः भवति । व्यायामः शारीरिकः क्रियाकलापः यः योजनाकृतसंरचितः पुनरावर्तनीयः च भवति । इदं भवतः स्वास्थ्यं, फिटनेसं च सुधारयितुं सहाय्यं कर्तुं शक्नोति । स्वस्थं मनः स्वस्थशरीरे निवसति इति कथनम् अस्ति । मानवजीवने व्यायामस्य महत्तवम् अस्ति । यावत् पर्यन्तं वयं सवस्थाः न भवामः तावत् पर्यन्तं वयं किमपि कार्यं सम्यक् कर्तुं न शक्नुमः ।

व्यायामः मानवजीवने अतीव महत्तवपूर्णः अस्ति ।

यतोहि- शुभं इच्छन्तु निज स्वास्थ्यं । करोतु नित्यं व्यायामम् ।।

स्नेहा लता
कक्षा- अष्टमी

संस्कृत भाषायाः महत्वम्

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति।
प्राचीन काले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृत भाषाया एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म।
कालान्तरे विविधःप्रान्तीयाःभाषा प्रचलिताःअभवन् किन्तु संस्कृतस्य महत्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते।
सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाः संस्कृतभाषायामेव सन्ति।
संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति।
संस्कृतभाषायाः यत्स्वरुपम् अद्य प्राप्यते तदेव अद्यतः सहस्रपूर्वम् अपि आसीत्।
संस्कृतभाषायाः स्वरुपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिकः अस्ति।
अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति।
संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूताभाषा अस्ति।
अतएव उच्यते – संस्कृताश्रितं जीवनं सरलं भवति ।

के. जेस्विन सांई
कक्षा-सप्तमी

आश्रयविषये काश्चन् कतिचन् पङ्क्तयः

आश्रयः एकः संरचना अथवा प्राकृतिकः आच्छादितः स्थानं यःकठोरवायुसंकटादिभ्यः हानिकारकपरिस्थितिभ्यः रक्षणं ददाति।सर्वेषां जीवानां मौलिकावश्यकतास्वरुपेण कार्यं करोति न मनुष्याणां कृते गृहाणि, अपार्टमेण्ट्, कण्डो इत्यादीनि स्थायी आश्रयाणि काष्ठ, इष्टिका, सीमेण्ट इत्यादिभिःसामग्रीभिः निर्मिताः भवन्ति येन स्थिरजीवनस्थानानि प्राप्यन्ते।शीतलजलवायुक्षेत्रेषु केचन् जनाः ऐतिहासिकरूपेण इन्सुलेशनार्थं हिमखण्डैः सह इग्लू-वृक्षान् निर्मितवन्तः।अस्थायी आपात्कालीन आश्रयस्थानानि यथा शिविरार्थिनः प्रयुक्ताः तंबूः अथवा आपदापीडितानां कृते सहायतासंस्थाभिः स्थापिताः तंबूः अल्पकालीनसुरक्षां ददाति तदतिरिक्तं, निराश्रयाणां आश्रयस्थानानि, शरणार्थीशिविराणि, तूफानानां रक्षणार्थं सुरक्षिताः विशेषसुविधाः दुर्बलजनसङ्ख्यानां शरणं प्रददति।पशवः अपि शिकारीभ्यः पर्यावरणात् च स्वस्यरक्षणार्थम् आश्रयस्थानानि निर्मान्ति वा अन्विष्यन्ति वा, पक्षिणः विटपपत्राणां उपयोगेन नीडं निर्मान्ति, शशशृगालाः च भूमौ बिलानि खनन्ति। पालतूपशवः मनुष्यैः प्रदत्तानां कुक्कुरालयानाम् अथवा अश्वशालाम् इत्यादिषु मानवनिर्मितेषु आश्रयेषु अवलम्बन्ते। कस्यापि आश्रयस्य प्राथमिकं कार्यं जीवानां पालनार्थं च सुरक्षितं स्थानं प्रदातुं शक्यते।

आश्रयस्थानानि शारीरिकसुरक्षायाः समग्रकल्याणस्य च कृते महत्वपूर्णानि सन्ति, येन सामान्यजीवनस्य अनुमतिः भवति इति गौरवस्य सुरक्षायाश्च भावः भवति।

नाम- पी हासिनी
कक्षा-सप्तमी

ENGLISH

Mother Earth – Our Shared Home

Mother Earth is the beautiful planet that gives us everything we need to live. The air we breathe, the water we drink, and the food we eat all come from nature. Mountains, rivers, forests, and oceans make our planet rich and wonderful. Every living being depends on the Earth for survival.

However, human activities such as pollution, deforestation, and excessive use of natural resources are harming our planet. If we continue to damage nature, future generations may not enjoy the beauty and resources that we have today.

Therefore, it is our responsibility to protect Mother Earth. We should plant trees, reduce waste, save water, and avoid pollution. Small actions by millions of people can make a big difference.

When we care for the Earth, we are also caring for ourselves and future generations. Mother Earth is not just a planet we live on; it is our shared home that deserves love, respect, and protection.

- Hasini (class 7)

Father: My Everyday Hero

A father is often seen as the pillar of a family. He works hard every day to provide food, education, and security for his children. Many fathers sacrifice their comfort and dreams to ensure a better future for their families.

A father teaches important lessons in life. He shows us how to be strong, responsible, and honest. Even when he does not say many words, his actions speak loudly. His dedication and hard work inspire children to grow into good human beings.

For many children, a father is their first hero. He protects the family during difficult times and stands strong like a shield. His love may not always be expressed in words, but it is always present in his actions.

A father's role in shaping a child's life is priceless. He is not only a provider but also a guide, a protector, and a lifelong supporter.

-Hema Sree (class 7)

My Mother: The Unsung Hero

A mother plays one of the most important roles in every family. From the moment a child is born, a mother gives endless love, care, and support. She works day and night without expecting praise or reward.

Mothers manage the home, care for the children, and often support the family emotionally. They sacrifice their time, comfort, and sometimes even their dreams to ensure their children grow happily and safely.

Despite all the work they do, mothers often remain the unsung heroes of the family. Their efforts may go unnoticed, but their impact is immense. The kindness, patience, and strength of a mother shape the character of her children.

A mother's love is pure and unconditional. It is one of the greatest blessings anyone can have in life. Appreciating and respecting mothers is something we should do every day.

- Aaradhya (class 6)

Brother – A Silent Warrior

A brother is more than just a family member; he is often a protector and supporter. From childhood, brothers share laughter, fights, and unforgettable memories together.

A brother may not always express his feelings openly, but he stands beside his family during difficult times. He protects his siblings and encourages them to become strong and confident individuals.

Brothers often take responsibility and act bravely when challenges arise. Their courage and determination make them silent warriors within the family.

The bond between siblings grows stronger with time. A brother can become a lifelong friend, guide, and protector. His presence in a family adds strength, warmth, and unity.

-Susanth (class 6)

Sister – A Friend for Life

A sister is one of the most special relationships in life. She is a companion during childhood and often becomes a lifelong friend. Sisters share secrets, dreams, and memories that last forever.

A sister cares deeply for her siblings and often provides emotional support during difficult moments. Her kindness, understanding, and encouragement help build strong family bonds.

Growing up with a sister teaches values such as sharing, caring, and cooperation. She celebrates our successes and comforts us during failures.

The presence of a sister makes life brighter and more joyful. Her friendship and love remain constant throughout life.

- Apoorva Rishika (class 6)

Sisterhood

Teachers – The Builders of the Future

Teachers play a vital role in shaping society. They not only teach subjects like mathematics, science, and language but also guide students to become responsible citizens.

A good teacher inspires curiosity and encourages students to think independently. Through patience and dedication, teachers help students discover their talents and abilities.

Teachers often work tirelessly to prepare lessons, guide students, and support them in their learning journey. Their influence extends far beyond the classroom.

The knowledge and values taught by teachers help build the future of a nation. Respecting and appreciating teachers is essential because they are the true builders of the future.

- Varshini (class 6)

The Value of Hard Work

Hard work is one of the most important qualities for success. Nothing meaningful in life can be achieved without effort and dedication.

People who work hard develop discipline, patience, and determination. These qualities help them overcome challenges and achieve their goals.

History is full of examples of successful individuals who achieved greatness through hard work and perseverance. Talent alone is not enough; consistent effort is equally important.

When we work hard, we not only achieve success but also gain confidence and self-respect. Hard work truly leads to growth and achievement.

- Dheeraj (class 7)

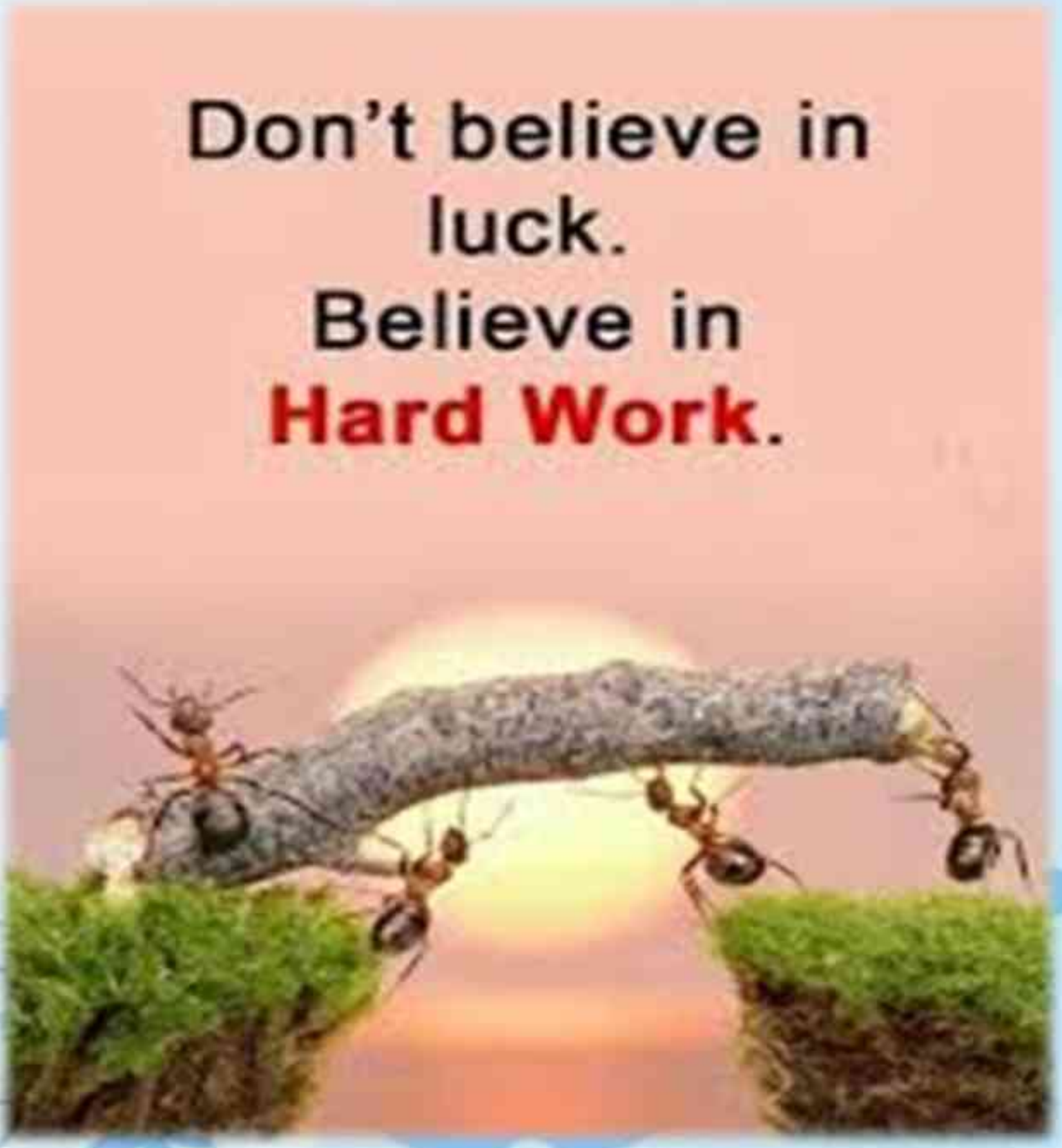

Kindness: A Small Act with Big Impact

Kindness is a simple but powerful quality that can change the world. Small acts such as helping someone, sharing, or speaking kindly can make a big difference in someone's life.

When people show kindness, it creates positivity and happiness. It also encourages others to act kindly, creating a chain of good actions.

Kindness does not require money or special skills. It only requires a caring heart and a willingness to help others.

In a world that sometimes feels busy and stressful, kindness reminds us of our shared humanity. Even the smallest act of kindness can brighten someone's day.

- Sneha (class 8)

The Power of Education

Education is one of the strongest tools for personal and social development. It helps people gain knowledge, skills, and confidence.

Through education, individuals learn to think critically and solve problems. It opens doors to opportunities and helps people build better lives for themselves and their families.

Education also plays an important role in building a strong society. An educated population can make wise decisions and contribute positively to the community.

Investing in education is investing in the future. It empowers people and helps create a better and more peaceful world.

- Swapna (class 8)

Friendship – A Treasure of Life

Friendship is one of the most valuable relationships in life. True friends support us during both happy and difficult times.

Friends share experiences, laughter, and memories that make life meaningful. They encourage us to grow and help us become better individuals.

A good friend listens, understands, and stands by us without judgment. Such friendships are rare and precious.

Maintaining strong friendships requires trust, honesty, and respect. When nurtured well, friendship becomes a lifelong treasure.

- Namaswi (class 7)

"Friends make the world beautiful just by being in it."

Time – The Most Precious Gift

Time is one of the most valuable things in life. Unlike money or possessions, time once lost can never be regained.

Every person has the same twenty-four hours in a day. How we use this time determines our achievements and progress.

People who manage their time wisely can accomplish great things. They balance work, learning, rest, and relationships effectively.

Respecting time helps us live a meaningful and productive life. It teaches us discipline and responsibility.

- Ramya Sree (class 6)

Honesty – The Foundation of Character

Honesty is one of the most important virtues a person can have. It means speaking the truth and acting with integrity.

An honest person gains trust and respect from others. Even when mistakes happen, honesty helps build stronger relationships.

Sometimes telling the truth may be difficult, but it always leads to long-term peace and respect.

A society built on honesty becomes stronger and more trustworthy. Honesty truly forms the foundation of good character.

- Zoeya (class 7)

Nature – Our Greatest Teacher

Nature teaches us many important lessons. By observing trees, rivers, and animals, we learn about patience, balance, and harmony.

A tree grows slowly but steadily, reminding us that progress takes time. Rivers flow continuously, teaching us persistence and movement.

Nature also shows us the importance of balance. Every plant, animal, and element plays a role in maintaining the ecosystem.

When we respect nature, we learn to live peacefully and responsibly on our planet.

- Sri Vidya (class 7)

Courage – Standing Strong in Difficult Times

Courage is the strength to face challenges and difficulties without fear. It does not mean the absence of fear but the ability to move forward despite it.

Courageous people stand up for what is right and protect others when necessary. Their bravery inspires those around them.

Many great leaders and heroes in history showed courage during difficult situations.

Developing courage helps us overcome obstacles and achieve our goals.

- Sai Maheswar (class 7)

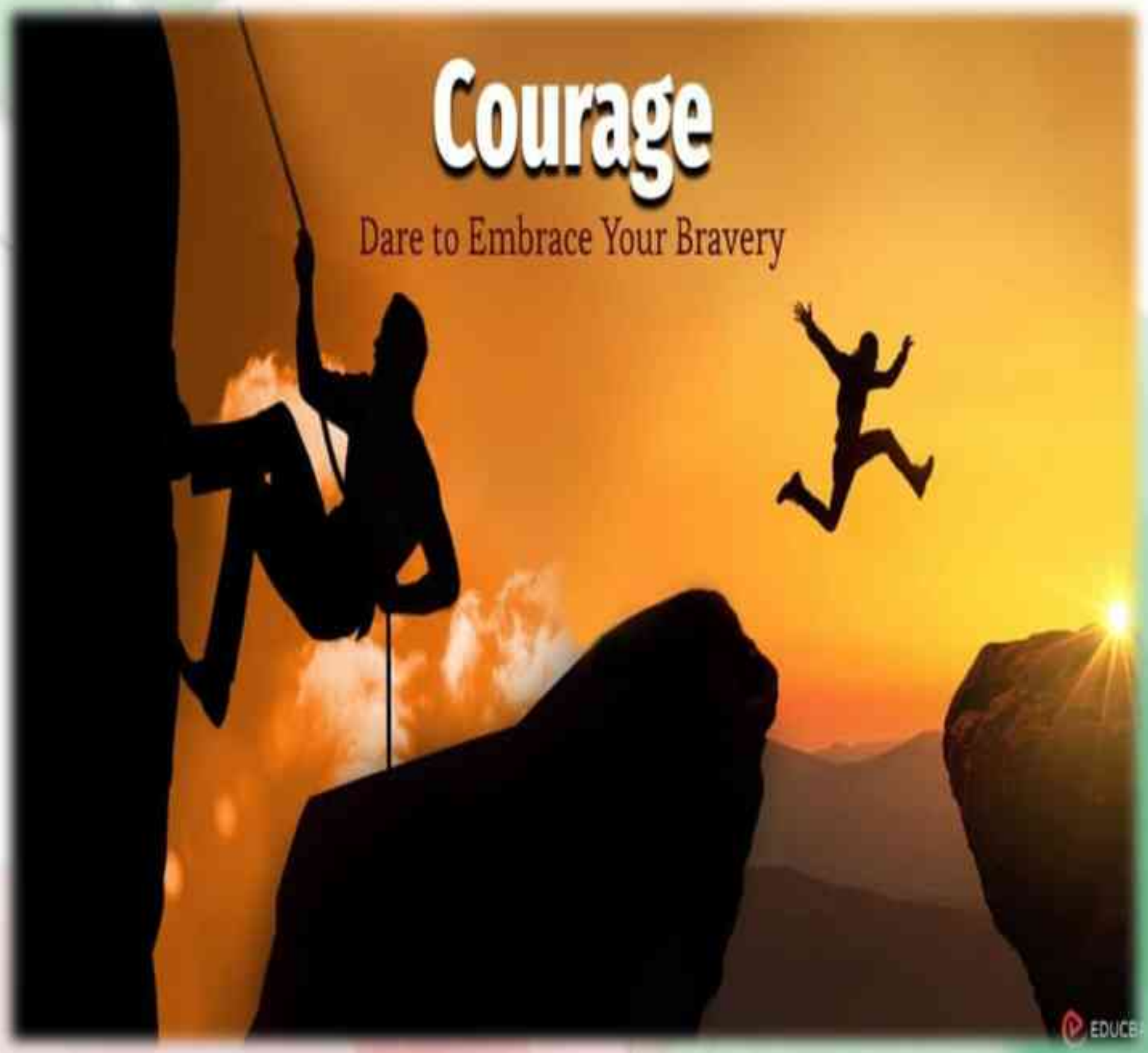

Discipline – The Path to Success

Discipline is the ability to control one's actions and follow rules and routines. It is a key factor in achieving success.

Students who practice discipline manage their time effectively and focus on their goals. Athletes, artists, and professionals also rely on discipline to improve their skills.

Without discipline, even talented individuals may struggle to reach their potential.

Discipline creates habits that lead to progress and achievement.

- Abhiram (class 7)

Hope – Light in the Darkness

Hope is the belief that better days are ahead. It gives people the strength to continue even during difficult situations.

When challenges arise, hope helps us remain positive and determined. It encourages us to keep trying and never give up.

Throughout history, hope has helped people overcome hardships and build brighter futures.

Holding onto hope can transform struggles into opportunities for growth.

- Hasika (class 7)

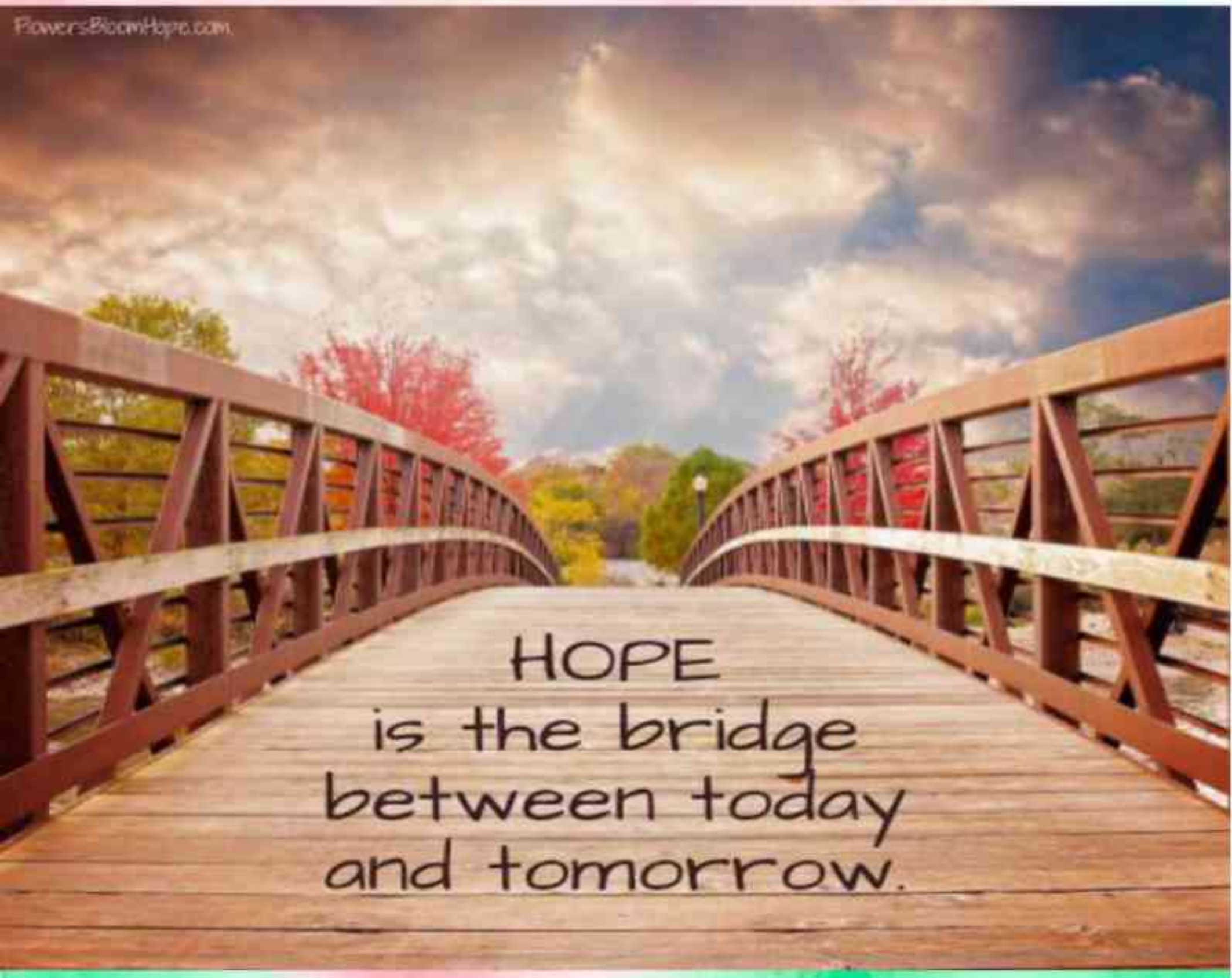

Gratitude – The Secret of Happiness

Gratitude means appreciating the good things in life. When people focus on what they have rather than what they lack, they experience greater happiness.

Being grateful strengthens relationships and creates positive feelings. It reminds us to appreciate family, friends, and opportunities.

Practicing gratitude daily can improve mental well-being and create a positive mindset.

A grateful heart often leads to a joyful life.

- Shanyu Sri Tej (class 6)

Piglet noticed that even
though he had a very small
heart, it could hold a rather
large amount of gratitude.

A.A. Milne

Teamwork – Together We Achieve More

Teamwork is the ability to work with others to achieve a common goal. When people combine their skills and ideas, they can accomplish more.

In schools, sports, and workplaces, teamwork plays an essential role in success. Cooperation and communication are key parts of working effectively as a team.

Teamwork also teaches respect, patience, and understanding among individuals.

When people support each other, even the most difficult tasks become achievable.

- Jaswin Sai (class 7)

Dreams – The Seeds of the Future

Dreams inspire people to imagine a better future. They motivate individuals to work hard and pursue their goals.

Every invention, achievement, and success once began as a dream in someone's mind.

Dreams encourage creativity and innovation. They push people to overcome obstacles and explore new possibilities.

By believing in our dreams and working toward them, we can shape a brighter future.

- Ridhi Janasree (class 8)

Responsibility – The Mark of Maturity

Responsibility means understanding our duties and fulfilling them sincerely. It is an important quality that shows maturity and reliability.

Responsible individuals take care of their tasks, respect commitments, and consider the impact of their actions.

Children learn responsibility through simple actions such as completing homework, helping at home, and respecting rules.

As people grow, responsibility helps them become trustworthy and dependable members of society.

- Aisha Bhanu (class 8)

If I Had a Magic School Bag

If I had a magic school bag, it would be very special. It would become light whenever I put heavy books inside. It would also remind me about homework and tests. If I forgot my lunch, it would prepare healthy food for me. My bag would also help my friends by sharing extra pens and pencils. During exams, it would whisper, "Stay calm and do your best." With this magic bag, school life would be easier and more enjoyable. I would never lose my things again. I wish every student had such a helpful and kind school bag.

Ch. Gnaswitha
Class – 5

A World Without Mobile Phones

If there were no mobile phones, life would be very different. Children would play more outdoor games like hide and seek and cricket. Families would spend more time talking to each other. We would write letters instead of sending messages. There would be less distraction during studies. However, it might be difficult to contact someone in emergencies. Online classes and quick information would not be possible. I think a world without mobile phones would be peaceful but challenging. We should use mobile phones wisely and not depend on them too much.

Sk. Krishnaveni
Class – 5

If I Became the Principal for One Day

If I became the principal for one day, I would make school more fun. I would reduce heavy homework and add more sports and art activities. I would plant more trees in the school garden. I would also listen to students' problems carefully. Clean classrooms and friendly teachers would be my priority. I would organize a talent show for everyone. I would encourage kindness and respect among students. Being principal would be a big responsibility, but I would try my best to make everyone happy.

G.Niveditha
Class – 5

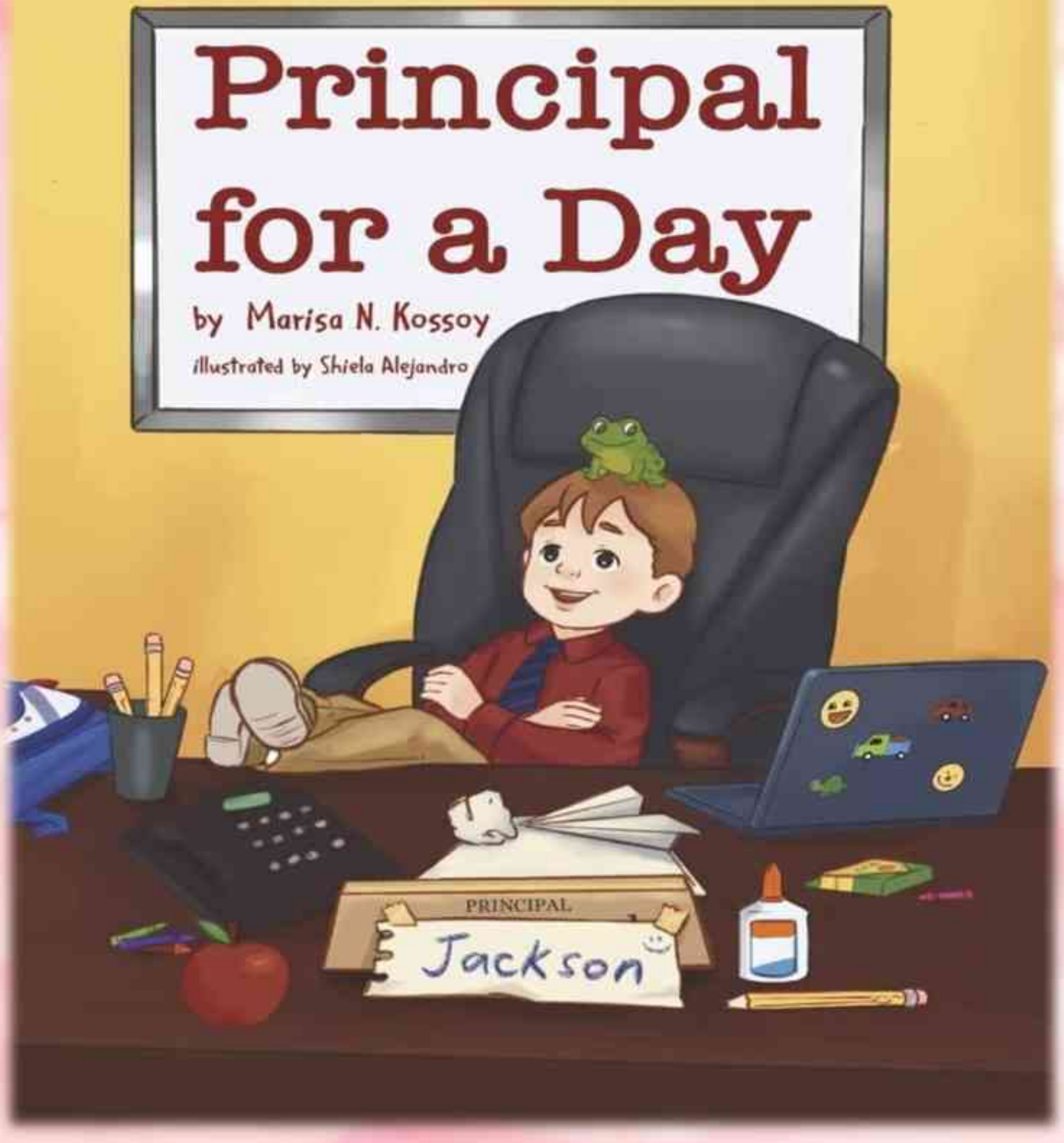

If Robots Came to My School

If robots came to my school, it would be very interesting. They could help clean classrooms and carry heavy books. Robots might teach maths and science using smart technology. However, they cannot replace human teachers' love and care. Teachers understand our feelings better. Robots may help in learning, but they cannot show kindness. I think robots can assist but not fully replace teachers. School would become modern and advanced with their help.

M. Deekshith
Class – 4

My Favorite Thing

My favourite thing is my storybook. It is not just a book, but a world full of imagination. Whenever I open it, I travel to different places and meet new characters. Reading makes me feel happy and relaxed. It also improves my vocabulary and helps me learn new ideas. I love the smell of new pages and the colourful pictures inside. Whenever I feel bored or sad, my storybook becomes my best friend. It teaches me good values and important lessons in a simple way. I take care of it properly and keep it safely on my shelf. My favourite thing always fills my heart with joy and knowledge.

T.Padmasri
Class – 4

My Favorite Place

My favorite place is the park near my house. It is full of green trees, colorful flowers, and fresh air. Every evening, I go there with my friends to play. We enjoy running, swinging, and playing games together. The park has a small fountain that looks beautiful in the sunlight. Birds chirp happily, and children laugh all around. I feel peaceful and relaxed when I sit on a bench and watch nature. The cool breeze makes me forget all my worries. This place is special to me because it gives me happiness and energy. The park is not just a playground, but a place where I create wonderful memories.

A.Vehan Sai
Class – 5

తెలుగు

జ్ఞానం

1.జ్ఞానం ఉన్నవాడు ఎక్కువగా వింటాడు, తక్కువగా మాట్లాడుతాడు.

2.మంచి సలహా తీసుకునే విద్యార్థి భవిష్యత్తులో విజయం సాధిస్తాడు.

3.కోపాన్ని అదుపులో పెట్టుకోవడం నిజమైన జ్ఞానం.

4.కష్టపడి చదివే వాడు గౌరవం మరియు మంచి పేరు సంపాదిస్తాడు.

5.సత్యం చెప్పే అలవాటు మనిషిని విశ్వసనీయుడిగా చేస్తుంది.

6.తల్లిదండ్రుల మాట వినే పిల్లలు జీవితంలో ఎదుగుతారు.

7.గురువును గౌరవించే విద్యార్థి జ్ఞానంలో ముందుకు సాగుతాడు.

8.మంచి స్నేహితులను ఎంచుకోవడం జ్ఞానానికి గుర్తు.

9.తప్పు చేసినప్పుడు ఒప్పుకుని సరిదిద్దుకోవడం గొప్ప లక్షణం.

10.తల్లిదండ్రులు మరియు గురువులను గౌరవించే విద్యార్థి ఎక్కడైనా ఆశీర్వాదాలు మరియు విజయాలు పొందుతాడు.

చల్లా.ఎనోష్ జై

5వ తరగతి.

చిరునవ్వు

చీకటి తెరలను చీల్చుకుంటూ నింగి అంచున ఉదయించిన బంగారు కిరణం.

నిద్రించిన లోకాన్ని తట్టి లేపుతోంది.

ఆకు పచ్చని చెమ్మగిల్లిన పైరు గాలి,

ఆశల రెక్కల విప్పి ఎగిరే పక్షుల గీతం,

ప్రతి అడుగులో ఒక కొత్త ఉత్సాహం!

గతం నిన్నటితోనే ముగిసి పోయింది.

నేటి సూర్యుడు నీకోసం సరికొత్తగా వచ్చాడు,

నీకలలకి ప్రాణం పోయడానికి.. మరో ప్రయాణం మొదలుపెట్టడానికి !

ఎస్-రిత్విక్

తరగతి 5

ప్రకృతి అందం

ప్రకృతి మనకు దేవుడిచ్చిన అమూల్యమైన వరం. పచ్చని చెట్లు, మాల సువాసనలు, వక్కుల కిలకిలరావాలు ప్రకృతిని అందంగా చూపిస్తాయి. ఉదయించే సూర్యుడు. అస్తమించే సూర్యాస్తమయం మనసుకు ఆనందాన్ని ఇస్తాయి. వక్కతి మనకు శుద్ధమై గాలి, నీరు మరియు ఆహారం అందిస్తుంది. మనం ప్రకృతిని కాపాడితేనే భవిష్యత్ తరాలు సుఖంగా జీవించ గలవు. అందుకే ప్రతి ఒక్కరూ చెట్లు నాటాలి మరియు ప్రకృతిని సంరక్షించాలి.

యశసినని.

4వ తరగతి

29-01-2026
Thursday
5th class
Art by
Shreyan

ఎం.శ్రీ చరిత

తరగతి: 5

शिक्षक कोना

हिंदी भाषा का महत्त्व

हिंदी को १४ सितम्बर १९४९ को संवैधानिक दर्ज़ा प्राप्त हुआ | संविधान सभा ने राजभाषा के रूप में हिंदी को अंगीकृत किया | हिंदी भारतीय सामाजिक संस्कृति का प्रतीक है | हिंदी अपनी विशेषताओं में भी एकता को दर्शाती है | हिंदी शब्द उत्पत्ति की दृष्टि से स्वयं हिंदी का नहीं 'फारसी' का है | हिंदी शब्द का प्रयोग भी सर्वप्रथम तूतिए -हिंद अमीर खुसरों ने 'हिन्दवी' शब्द के रूप में प्रयोग किया | इसलिए उन्हें हिन्दी शब्द के प्रयोगकर्ता के रूप में जाना जाता है | हिंदी का प्रचार-प्रसार भी अहिन्दी भाषियों ने इसके स्वरुप को देखते हुए भारतीय संघ के कल्याण की भावना से ओतप्रोत होकर किया था | शिक्षण और पाठ्यक्रम में इसकी शुरुआत भी पश्चिम बंगाल या कोलकाता से हुई थी | महात्मा गांधी , चक्रवर्ती राजगोपालाचारी आदि महापुरुष जिन्होंने हिन्दी प्रचार समितियों का गठन किया | इसके विकास में योगदान दिया | ये सब मूलतः अहिन्दी भाषी थे | उनकी सोच संघ में लोकतांत्रिक रूप से एक राजभाषा को प्रतिष्ठित करना था | बिनोबा भावे ने कहा था कि मैं सभी भाषाओं को सम्मान देता हूँ लेकिन मेरे ही देश में मेरी कोई अपनी भाषा प्रतिष्ठित न हो यह मुझे स्वीकार नहीं | हिन्दी की जब भी बात चलती है तो प्रश्न यह उठता है कि कौन-सी भाषा इसके स्थान पर आएगी | तो भारत में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली भाषा है हिन्दी|और लोकतांत्रिक परम्परा को देखते हुए हिंदी उपर्युक्त है राजभाषा के लिए | हिन्दी अपनी रचना शैली में सभी शब्दों को आत्मसात कर लेती है | हिन्दी कहीं पर कोई भेदभाव नहीं करती है, लेकिन अफसोस यह है किराजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित होने के बाद , आज़ादी मिलने के बाद हिन्दी को उस लगन से अपनाया नहीं गया ,प्रचारित नहीं किया गया | अगर हम शब्दकोष की बात देखे तो हिन्दी संस्कृत से मिश्रित है | और अन्य भारतीय भाषाओं में भी शब्दों को लेकर काफ़ी समानता है | हिन्दी, मराठी ,उड़िया के शब्दों को देखे तो उच्चारण के कारण , बलाघात के कारण रूप बदल जाता है | एक अन्य बात यह भी है कि हिन्दी का विकास कैसे किया जाय | हिन्दी के विकास में जो अनुवाद अपनाया जा रहा है उसे कठिन किया जा रहा है या उसका अंग्रेजीकरण कर दिया जा रहा है | दूसरी बात यह है कि शब्द संस्कृति परंपरा केसंवाहक होते हैं | हम अपने शब्दों को खोते चले जा रहे हैं | आज हम अपने हिन्दी शब्दों का प्रयोग न करके उनकी जगह अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं | इसलिए हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए कि जो हमारे भारतीय भाषाओं व बोलियों के शब्द हैं, जो हमारी आँचलिकता को दर्शाते हैं , उनका प्रयोग हो |हम देखते हैं कि अनुवाद करने वाले लोग इतने कठिन शब्दों का प्रयोग करते हैं ,अगर वे अपने आस-पास के प्रचलित शब्दों से तालमेल बिठाते हुए शब्दों का चयन करें तो और बेहतर होगा |आज भारतीय भाषाओं के सामने उनके अपने शब्दों का अभाव हो रहा है |उनके अपने शब्दों की जगह हम अन्य भाषाओं के शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं शब्दों की मनाही नहीं है |ऋग्वेद में कहा गया है कि जो हमारे लिए कल्याणकारी है वे कहीं से भी आए लेकिन अपने आपको नष्ट करके नहीं |उदहारण के तौर पर 'ऑफीसर' अंग्रेज़ी का शब्द है लेकिन हिंदी में उसे अफसर के रूप में अपना लिया था |आज जब हिंदीवाला लिखता है तो उसे 'अफ़सर' लिखने में

झिझक महसूस होती है | कभी-कभी हमें ऐसा लगता है कि हम अपनी हिन्दी भाषा के साथ न्याय नहीं कर रहे हैं या जब हम हिन्दी में बात करते हैं तो संकोच महसूस होता है | ऐसा नहीं होना चाहिए | यह मातृभाषा हमें अनेक प्रकार से गर्व और सुकून महसूस कराती है | यह हमें समग्र जीवन का दर्शन कराती है | हिन्दी के संदर्भ में भारतेंदु जी ने कहा है –

निज भाषा उन्नति अहै , सब उन्नति को मूल |

बिन निज भाषा ज्ञान के , मिटै न हिय के शूल ||

अर्थात् अपनी भाषा की उन्नति सभी उन्नति का कारण है |अपनी भाषा के ज्ञान के बिना भला हृदय की पीड़ा कैसे जाएगी |

मंजू सिंह

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (हिन्दी)

SHE WILL RISE

She is strong, she is wise,
You can see it in her eyes.
Through the storms, through the fight,
She keeps walking towards the light.

Once they told her, “Stay behind,”
But she proved how brave her mind.
Step by step she broke the wall,
Showing she can stand up tall.

She can dream and she can lead,
She has courage, she has speed.
Like a star she starts to shine,
Bright and bold, her power divine.

Let her fly, let her be free,
Like the waves across the sea.
When a woman finds her voice,
The whole world will then rejoice.

She will rise, proud and bright,
Turning darkness into light.
For every girl, strong and free—
The future is her destiny. ✨

P JAHNAVI
PRIMARY TEACHER

The Teenage Years: Chaos, Growth, and a Bit of Genius

Being a teenager is a strange and exciting stage of life. One moment you feel like you understand everything about the world, and the next moment you realize you still have a lot to learn. Teenagers stand in the middle of childhood and adulthood, trying to figure out who they are and where they belong.

This is the time when people begin to develop their own opinions, interests, and dreams. Teenagers question things more, explore new ideas, and sometimes challenge rules. It might look like rebellion, but often it is simply curiosity and the desire to understand the world in their own way.

Teenage life is also full of ups and downs. There are school assignments, exams, friendships, social media, and the constant question: "What do I want to do in the future?" Some days feel like a victory, and others feel confusing. But these experiences slowly build confidence, independence, and resilience.

What makes teenagers special is their energy and creativity. Many great ideas, talents, and innovations begin during these years. Teenagers are not just "adults in training"; they are thinkers, dreamers, and problem-solvers who see the world with fresh eyes.

In the end, the teenage years may feel messy and unpredictable, but they are also powerful. They are the years when personalities are shaped, dreams are formed, and the journey toward adulthood truly begins.

SHAIK LEENA PARVEEN

COMPUTER INSTRUCTOR

SEVEN IS GREAT NUMBER

1.Seven colours make a Rainbow.

2.Seven days make a Week.

3.Seven continents make a World.

4.Seven serves make a Music.

5.Seven letters make a Friends.

6.Seven historical monuments make Wonders.

7.Seven feet make a life Partner.

THIRUMALA RAO
PRIMARY TEACHER

The Unbreakable Bond: Teacher-Student Connection

The teacher-student bond is a special connection that goes beyond academics. It's built on trust, respect, and mutual understanding. When teachers invest time and effort, students respond with enthusiasm and dedication.

This bond fosters a supportive learning environment where students feel comfortable sharing their thoughts and ideas. Teachers become mentors, guiding students through challenges and celebrating their successes. The relationship is reciprocal, with both parties learning and growing together.

A strong teacher-student bond can have a lasting impact, shaping students' values, interests, and future paths. It's a testament to the power of connection and care in education.

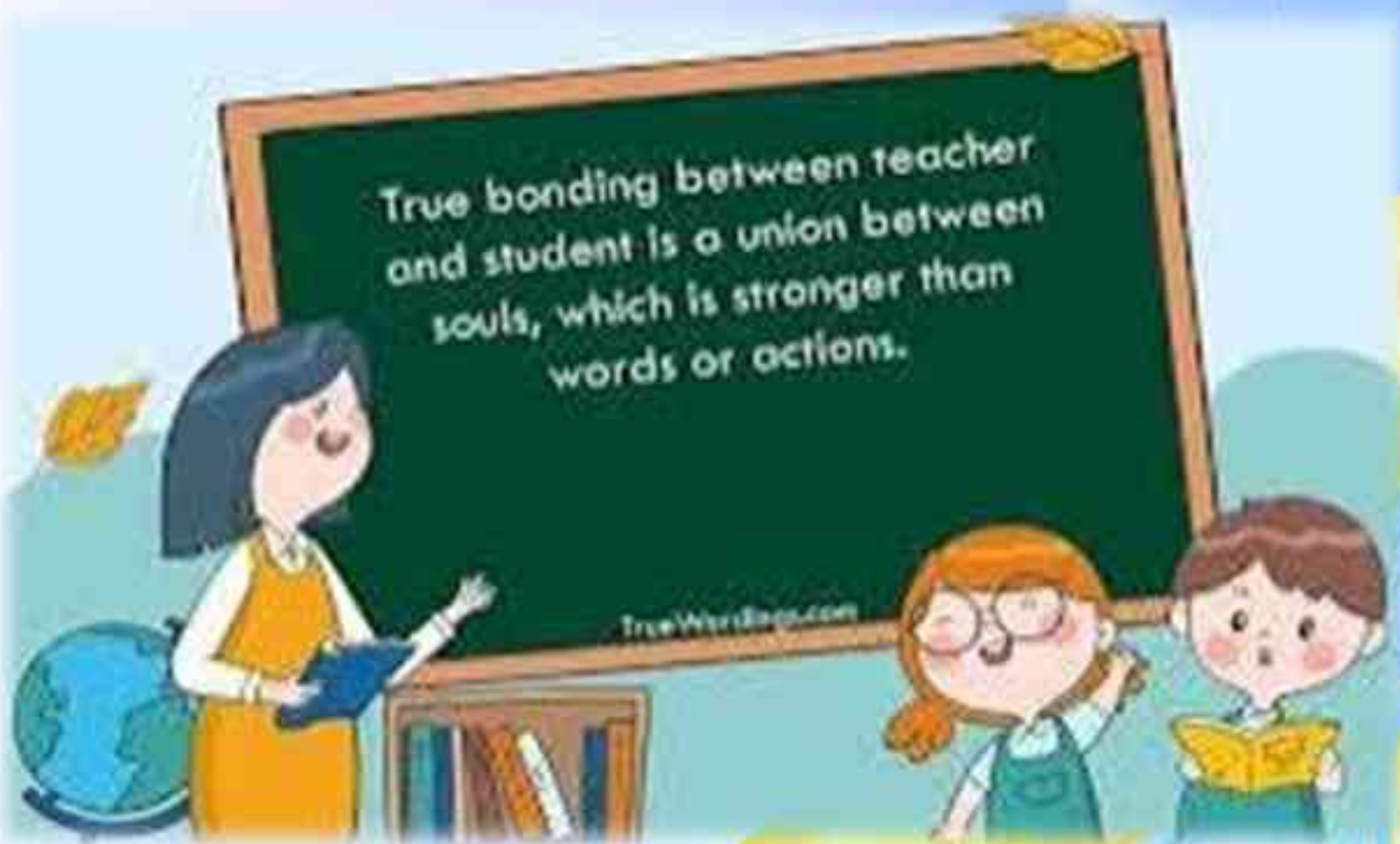

MUSIC PRODUCTION

Music Production is a technology to record a song, to fine it, to make it sound more professional, from a raw sound to clean and clear audio, Mixing, Mastering and balancing the various aspects of a sound and frequencies.

It involves some basic hardwares and softwares requirement.

Simply with a PC or a laptop having some desirable configurations, you can start your music production journey.

Requirements

Your PC/Mac needs not less than

- 8 GB of RAM(recommended 32 GB),
- Atleast 512 GB of Storage capacity.
- Audio Interface
- Microphone
- Studio Monitors
- DAW (Digital Audio Workstation)
- MIDI (Musical Instrument Digital Interface) keyboard
- Room treatment

Opportunity

This field is very vast in it's own.

One can successfully pursue her/his career as-

- Music Producer
- Sound Engineer
- Sound Recordist
- Music Arranger

And many other related fields of profession.

Ashish Naval

PRT MUSIC

Article on Women Empowerment

Women empowerment is when women have the freedom and choice to make their own decisions. They have the most potent right in deciding what's right for them and what's wrong for them. Women have suffered through the decades because they didn't have any rights. They suffered in the hands of their male counterparts. In earlier centuries, they were treated as almost non-existent. As if all the rights belonged to men even something as basic as voting. As times evolved, women realized their power. There on began the revolution for women empowerment.

As women were not allowed to make decisions for them, women's empowerment came in like a breath of fresh air. It made them aware of their rights and how they must make their own place in society rather than depending on a man. It recognized the fact that things cannot simply work in someone's favour because of their gender. However, we still have a long way to go when we talk about the reasons why we need it.

Need for Women Empowerment:

Almost every country, no matter how progressive has a history of ill-treating women. In other words, women from all over the world have been rebellious to reach the status they have today. While the western countries are still making progress, third world countries like India still lack behind in Women Empowerment.

In India, women's empowerment is needed more than ever. India is amongst the countries which are not safe for women. There are various reasons for this. Firstly, women in India are in danger of honour killings. Their family thinks it's right to take their lives if they bring shame to the reputation of their legacy.

Moreover, the education and freedom scenario is very regressive here. Women are not allowed to pursue higher education; they are married off early. The men are still dominating women in some regions like it's the woman's duty to work for him endlessly. They do not let them go out or have freedom of any kind.

In addition, domestic violence is a major problem in India. The men beat up their wives and abuse them as they think women are their property. More so, because women are afraid to speak up. Similarly, the women who do actually work get paid less than their male counterparts. It is downright unfair and sexist to pay someone less for the same work because of their gender. Thus, we see how women's empowerment is the need of the hour. We need to empower these women to speak up for themselves and never be victim of injustice.

How to Empower Women?

There are various ways in how one can empower women. The individuals and government must both come together to make it happen. Education for girls must be made compulsory so that women can become illiterate to make a life for themselves.

Women must be given equal opportunities in every field, irrespective of gender. Moreover, they must also be given equal pay. We can empower women by abolishing child marriage. Various programs must be held where they can be taught skills to fend for themselves in case they face financial crisis.

ARRIBOYINA SILPA (PRT)

Goodbye Rote Learning, Hello Future

Have you noticed how our classrooms are changing lately? For years, we followed the old 10+2 system, but now its all about the 5+3+3+4 structure. You might think, "Wait, is that a math problem?" No! Its actually the new way your school years are divided to help you learn better at every age. The best part? The days of just memorizing long answers from a textbook are slowly ending. Now, the focus is on competency-based learning—which basically means "do you actually get it?" rather than "can you repeat it?"

Starting from Class 6, things are getting really interesting with vocational courses and even internships! Imagine learning how to code or even pottery right here in school. And for those of you in high school, the "rigid streams" of Science, Commerce, and Arts are fading away. Now, if you want to study Physics with History or Math with Music, you actually can. Its all about becoming a "holistic" person. Education isnt just about exams anymore; its about finding what your good at. So, lets make the most of these new choices and stop being scared of those old-school report cards!

- Mr VISHAL KUMAR

TGT- BIOLOGY

తెలివైన లక్క

ఒక ఊరిలో ఒక బ్రహ్మదత్తుడు అనే ఒక పండితుడు ఉండేవాడు. అతను గణితంలో చాలా నిష్ణాతుడు. ఒకరోజు అతను తన శిష్యులకు గణితం నేర్చిస్తుండగా, ఒక శిష్యుడు అడిగాడు, "గురువుగారు, గణితం ఎందుకు నేర్చుకోవాలి?"

బ్రహ్మదత్తుడు నవ్వుతూ, "శిష్యులారా, గణితం నేర్చుకోవడం వలన మన జీవితంలో చాలా ఉపయోగాలు ఉన్నాయి. గణితం మనకు తార్కికంగా ఆలోచించడం నేర్పుతుంది, సమస్యలను పరిష్కరించడం నేర్పుతుంది."

ఒక శిష్యుడు అడిగాడు, "గురువుగారు, ఒక ఉదాహరణ చెప్పండి."

బ్రహ్మదత్తుడు చెప్పాడు, "ఒక రాజు ఒక పెద్ద చెరువు తవ్వించాలని నిర్ణయించాడు. అతను ఒక పండితుడిని పిలిపించి, 'పండితుడా, ఈ చెరువులో నీరు ఎంత ఉంటుంది?' అని అడిగాడు."

"పండితుడు ఆ చెరువు వొడవు, వెడల్పు, లోతును కొలిచి, ఆ సంఖ్యలను గుణించి, 'రాజా, ఈ చెరువులో నీరు 1000 కలశాలు ఉంటుంది' అని చెప్పాడు."

"రాజు అడిగాడు, 'పండితుడా, నీకు ఎలా తెలిసింది?'"

"పండితుడు చెప్పాడు, 'రాజా, గణితం నాకు నేర్పింది. గణితం వలన నేను ఈ సమస్యను పరిష్కరించాను.'"

బ్రహ్మదత్తుడు చెప్పాడు, "శిష్యులారా, ఇదే గణితం యొక్క శక్తి. గణితం మనకు సమస్యలను పరిష్కరించడం నేర్పుతుంది, మన జీవితంలో చాలా ఉపయోగాలు ఉన్నాయి."

శిష్యులు అన్నారు, "గురువుగారు, మాకు ఇప్పుడు గణితం యొక్క విలువ తెలిసింది. మేము గణితాన్ని చాలా శ్రద్ధగా నేర్చుకుంటాము." 😊

నంబూరి నాగేంద్రయ్య

TGT-గణితం

జీవితము

ఒక పువ్వు వికసిస్తూ తెలిపింది,

ఒక్క రోజైనా గొరవంగా జీవించమని.

ఒక ఆకు రాలుతూ తెలిపింది,

ఈ జీవితం శాశ్వతం కాదని.

ఒక సెలయేరు పారుతూ తెలిపింది,

కష్టాల్లో చలించకుండా ఉండమని

ఒక క్రొవ్వొత్తి కరుగుతూ పలికింది.

కరిగిపోతూ కూడా వెలుగు పంచాలని.

నింగిలోని ధ్రువతార పలికింది,

నాలాగే మీ స్నేహం కలకాలం నిలవాలని.

తిరుమల రావు

ప్రాథమిక ఉపాధ్యాయుడు,

మన కందుకూరు

మన కందుకూరు చారిత్రక సాక్షిగా నిలిచిన కందుకూరు,

తెలుగు వెలుగుల విరజిమ్మేటి ప్రదేశం.

రుద్రకవి పలికిన యక్షగానాల పరిమళం,మా రుద్రపురికే అంకితం.

శ్రీకృష్ణ దేవరాయ కాలంలో ఈ ప్రాంతాన్ని స్కంద పూరి అనేవారు. కాలక్రమంలో కందుకూరు గా మారింది.

దర్శనీయ ప్రదేశాలు/దేవాలయాలు

1. జనార్ధన స్వామి ఆలయం: శ్రీ స్కంద పురి జనార్ధన స్వామి (కృష్ణుడు).
2. పొలేరమ్మ గుడి (గ్రామ దేవత)
3. అంకమ్మ దేవాలయం
4. సోమేశ్వరస్వామి ఆలయం

రవాణా సదుపాయాలు

జాతీయ రహదారి 167బి (భారతదేశం) మార్గంలో కందుకూరు వుంది. సమీప రైలు స్టేషన్ శింగరాయ కొండ లో వుంది.

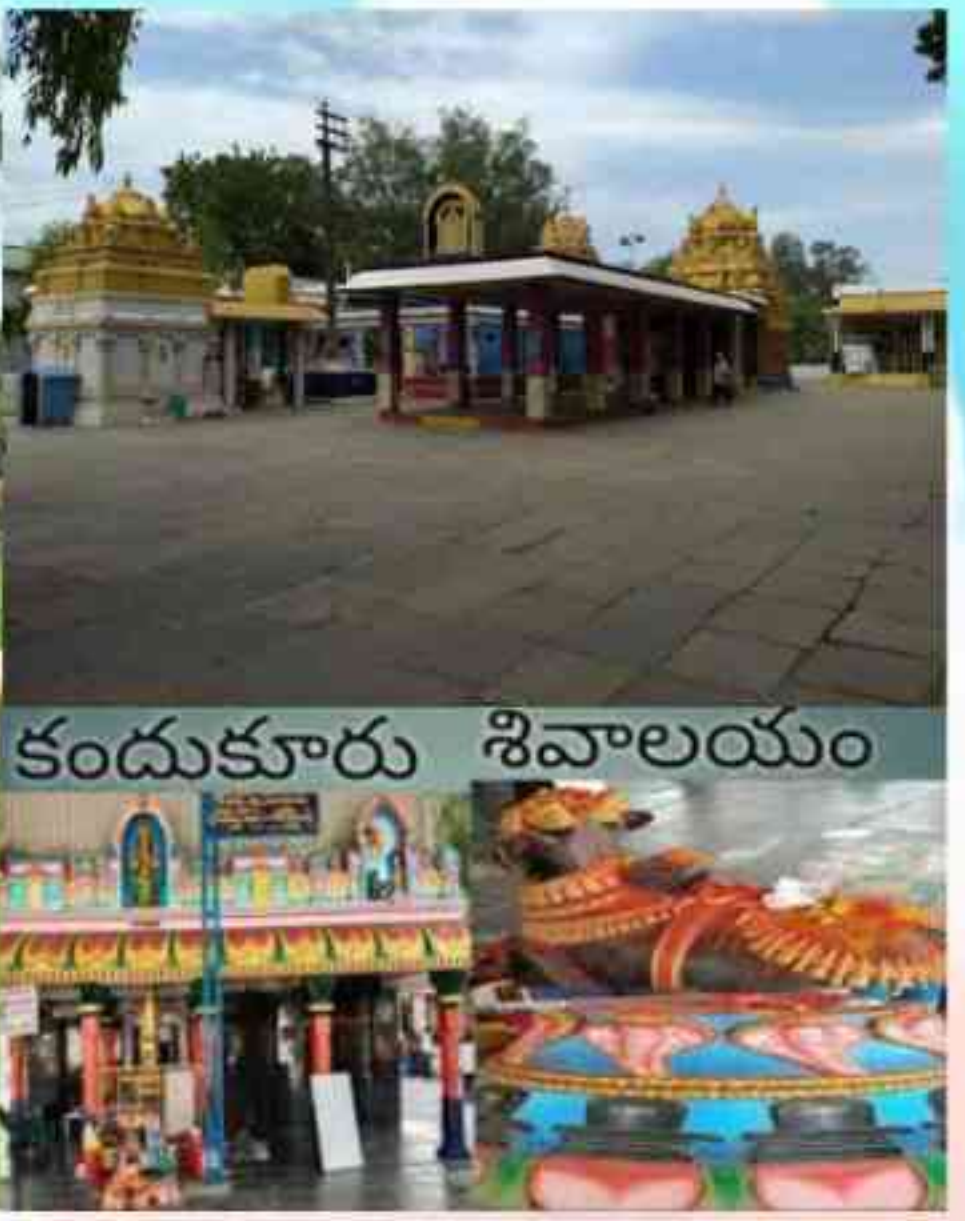

విద్యా సౌకర్యాలు

1. కందుకూరు లో టిఆర్ఆర్ ప్రభుత్వ కళాశాల అనే చాలా పెద్ద ఆర్ట్స్ & సైన్స్ కళాశాల ఉంది.

   80 ఎకరాల ప్రాంత ప్రాంగణం వుంది.

2. ప్రకాశం ఇంజినీరింగ్ & MBA కళాశాల: విస్తీర్ణం: 40 ఎకరాలు

3. మలినేని లక్ష్మయ్య ఇంజినీరింగ్ & ఎంబీఏ, ఎంసీఏ కళాశాల: 1999 లో స్థాపించబడినది.

2019లో కేంద్ర ప్రభుత్వ పాటశాల కేంద్రీయ విద్యాలయం స్థాపించబడినది.

4. 2019 లో కేంద్ర ప్రభుత్వ పాటశాల కేంద్రీయ విద్యాలయం స్థాపించబడినది.

కోవూరు శివ తేజ
ప్రాథమిక ఉపాధ్యాయుడు

शैक्षणिक

गतिविधियाँ

Academic Activities

2025-26

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कन्दुकुर टाउन

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA KANDUKUR TOWN

CLASS X TOPPERS IN CBSE BOARD EXAMINATION (AY 2024-25)

SHAIK NAZEEM
95.17%

SYED ABDUL AAKIL AHAMAD
86.50%

NARRA ATCHUTH KUMAR
84.83%

KAKARLAPUDI LAKSHMI SAHITI
83.17%

VADDELA SURYA TEJA
82.83%

RATHIKRINDA HEMA SAI TEJA
82.83%

SETTY SAI SASANK
80.00%

26.06.2025 को कक्षा 1 के लिए विद्या प्रवेश

10वीं राष्ट्रीय ओपन किओरुगी और पूमसा ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2025

केवीएस क्षेत्रीय खेल मीट 2025 में विजेता

26 / 01 / 2025 को गणतंत्र दिवस मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 / 02 / 2025 को मनाया गया

विश्व चिंतन दिवस 22 / 02 / 2025 को मनाया गया

29.04.2025 को स्कूल छात्र नेता का चुनाव आयोजित किया गया

एक पेड़ मां के नाम 05.06.2025 को मनाया गया

जून 2025 में भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21.06.2025 को मनाया गया

12.06.2025 से 26.06.2025 तक नशा मुक्त अभियान

हमारे छात्रों ने 13.07.2025 को आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित टेक्नोथ्लॉन 2025 में भाग लिया

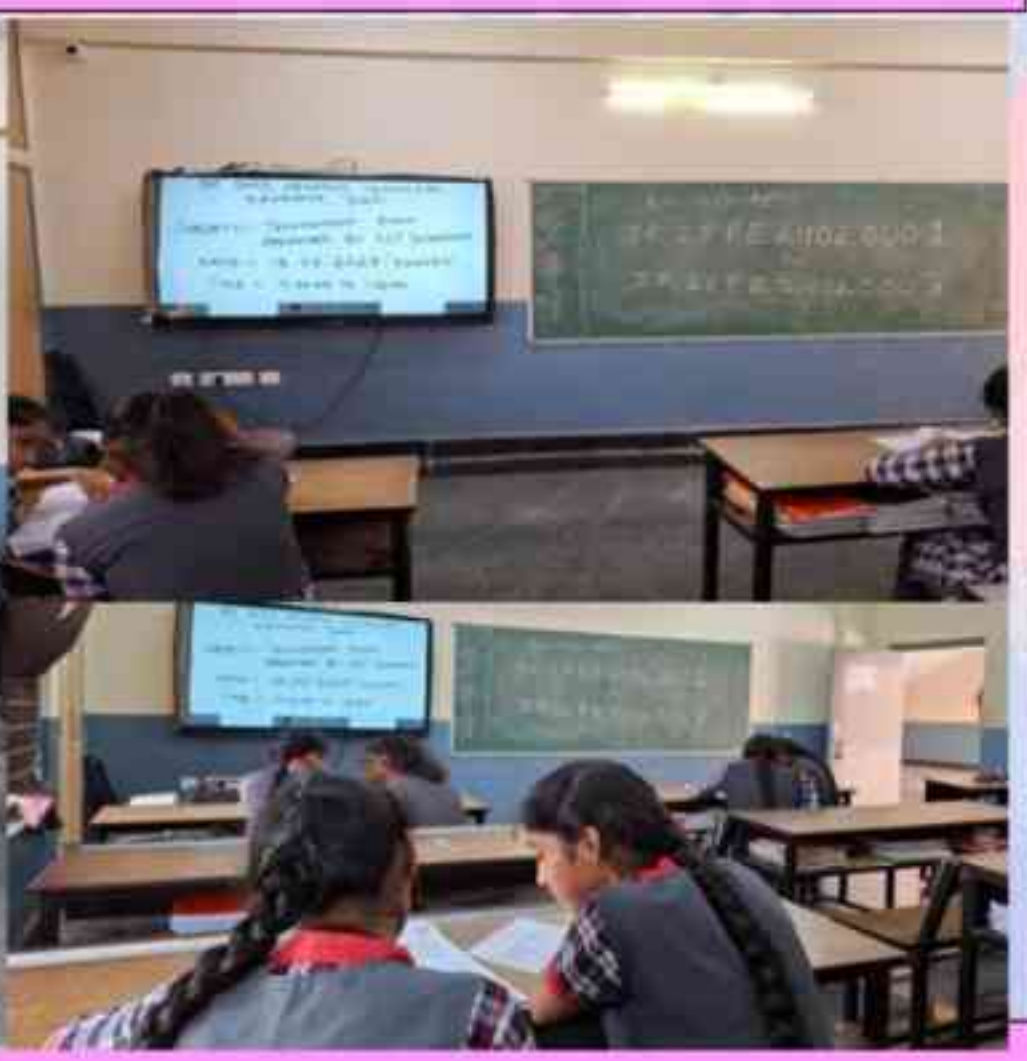

14.07.2025 से 18.07.2025 तक STEM सप्ताह का उत्सव

फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव का आयोजन 21.07.2025 को किया गया

युवा संसद 2025 का आयोजन 25.07.2025 को किया गया

एनईपी 2020 की 5वीं वर्षगांठ 29.07.2025 को मनाई गई

अलंकरण समारोह 30.07.2025

जुलाई 2025 में पीटीएम

विश्व स्काउट स्कार्फ दिवस 01.08.2025 को मनाया गया

12.08.2025 को मेगा टिंकरिंग दिवस मनाया गया

हर घर तिरंगा 12.08.2025 से 15.08.2025 तक मनाया गया

हमारे छात्रों ने 13 और 14 अगस्त 2025 को EBSB और कला उत्सव क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया

स्वतंत्रता दिवस 15.08.2025 को मनाया गया

सितंबर 2025 में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया

शिक्षक दिवस 05.09.2025 को मनाया गया

हिंदी पखवाड़ा 12-26 सितंबर 2025 को मनाया गया

22.10.2025 को विद्यालय में आरएसबीवीपी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

नवम्बर माह में पीटीएम आयोजित किया गया

वीर गाथा (5.0) 01.11.2025 को मनाया गया

07.11.2025 को ध्वज दिवस मनाया गया

14.11.2025 को बाल दिवस समारोह

14.11.2025 को दादा-दादी दिवस समारोह

04.12.2025 से 11.12.2025 तक भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया

क्षेत्रीय स्तर पर 11.12.2025 को आरएसबीवीपी प्रदर्शनी में भाग लिया

केविएस स्थापना दिवस 15.12.2025 को मनाया गया

छात्रों ने केवी उप्पल नंबर 1 में ज़ोनल स्तर के एआई विद्यासेतु 1.0 हैकाथॉन में भाग लिया

संविधान दिवस 26.11.2025 को मनाया गया

विद्यालय परिसर में आत्मरक्षा प्रशिक्षण

वार्षिक खेल दिवस 13.12.2025 की झलकियां

एक्सकर्शन टूर की झलकियाँ (शै.व. 2025-26)

विद्यालय परिसर में आत्मरक्षा प्रशिक्षण

प्राथमिक छात्रों द्वारा सीसीए गतिविधियाँ

दोपहर का सामुदायिक भोज

कक्षा 6 से 8 के लिए बैगलेस दिन

धन्यवाद